वर्ष-15, अंक-179
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करने वाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर,शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024

अरविंद केजरीवाल ने खाली किया सरकारी आवास

अपने परिवार के साथ निकले घर के बाहर

दिल्ली। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने सरकारी आवास खाली कर दिया है। पहले से तय हो गया था कि आज केजरीवाल अपना घर खाली कर देंगे, अब इसकी तस्वीर भी सामने आ गई है। आज सुबह सामान ढोने वाली 2 गाड़ियों को केजरीवाल के घर के अंदर जाते देखा गया था, जिसमें केजरीवाल का सामान लादा गया और अब केजरीवाल ने अपने परिवार के साथ सरकारी घर खाली कर दिया है। अब आप नेता फिरोजशाह रोड में अपने एक सांसद के घर में रहेंगे।

ये होगा अरविंद केजरीवाल का नया ठिकाना- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल का नया पता लुटियन दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर होने वाला है। यह भी एक सरकारी आवास है, जो आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल का है, लेकिन वह अपने इस घर में नहीं रहते हैं। यह घर खाली पड़ा है, जिस कारण से केजरीवाल अपने परिवार के साथ अपने नए घर में शिफ्ट हो गए हैं। पूर्व सीएम अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली के आसपास ही किसी घर में रहने की तलाश कर रहे थे, अब वह बंगला नंबर 5 में शिफ्ट हो गए हैं ।बताते चलें कि दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने भी आज अपना सरकारी बंगला खाली कर दिया है। बतौर डिप्टी सीएम उन्हें भी एक घर अलॉट हुआ था, लेकिन अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आज वह भी अपना घर खाली कर दिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में शिफ्ट कर गए हैं। यह घर भी खाली पड़ा था, जिसमें अब सिसोदिया रहेंगे। ऐसे में सिसोदिया का नया ठिकाना राजेंद्र प्रसाद रोड पर स्थित आप सांसद का घर होने वाला है।

मराठी-बंगाली समेत पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय है। पीएम मोदी ने हमेशा भारतीय भाषाओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

आज मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली जैसी 5 भाषाओं को शास्त्रीय भाषा के रूप में मंजूरी दी गई है। 2013 में महाराष्ट्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का एक प्रस्ताव केंद्र को भेजा था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ऐन पहले यह सरकार का बड़ा दांव माना जा रहा है। गुरुवार को मोदी सरकार के ऐलान के बाद अब कुल 11 शास्त्रीय भाषाएं हो जाएंगी। इससे पहले तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड, मलयालम और उड़िया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। गुरुवार को अहम फैसला लेते हुए मोदी सरकार ने ऐलान किया कि शास्त्रीय भाषा में मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाएं भी होंगी। ये महाराष्ट्र (मराठी), बिहार (पाली और प्राकृत), पश्चिम बंगाल (बंगाली) और असम (असमिया) से संबंधित हैं। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और यह फैसला प्रधानमंत्री मोदी और राजग सरकार के हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने, हमारी विरासत पर गर्व करने और सभी भारतीय भाषाओं तथा हमारी समृद्ध विरासत पर गर्व करने के दर्शन के अनुरूप है। सरकार ने कहा कि शास्त्रीय भाषाएं भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक के रूप में काम करती हैं, तथा प्रत्येक समुदाय के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार को प्रस्तुत करती हैं।

रानी दुर्गावती के गढ़ सिंग्रामपुर में कल होगी मोहन यादव कैबिनेट की बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के साथ ही अब संभागीय और आंचलिक क्षेत्रों में कैबिनेट की बैठक भी आयोजित हो रही है। इसकी पहल जनवरी में जबलपुर में कैबिनेट की बैठक के साथ हो चुकी है। इसी क्रम में अब सरकार शनिवार को दमोह जिले के सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक करने जा रही है। बैठक को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का योगदान ऐतिहासिक है। दमोह जिले के सिंग्रामपुर गांव के नजदीक सिंगौरगढ़ का किला है। यह क्षेत्र रानी दुर्गावती की राजधानी के रूप में इतिहास में दर्ज है। वीरांगना दुर्गावती के 500वें जन्मशती वर्ष के अवसर पर उनके सम्मान में सिंग्रामपुर में कैबिनेट की बैठक करने का निर्णय लिया गया है। बैठक के साथ ही लाडली बहना सम्मेलन का भी आयोजन होगा। इसमें मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की हितग्राही बहनों के खाते में राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री बहनों से संवाद भी किया जाएगा। सिंग्रामपुर और उसके आस-पास स्थित ऐतिहासिक स्थलों का कैबिनेट के सदस्य भ्रमण करेंगे। इसमें रानी दुर्गावती के किले का अवलोकन, रानी मंदिर में पूजा-अर्चना और रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्री यहां पौध-रोपण भी करेंगे।

दो महिला अधिकारियों रिश्वत लेते लोकायुक्त ने किया गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन में दो महिला अधिकारियों ने एक साथ रिश्वत ली। उन्होंने ठेकेदार को ऑफिस बुलाया और रुपए लिए। इस दौरान लोकायुक्त की टीम ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया। एक महिला अफसर सिर पकड़कर रोने लगी। मामला गुरुवार को वाणिज्य कर विभाग का है। लोकायुक्त डीएसपी राजेश पाठक ने बताया कि सहायक ग्रेड-3 किरण जोशी और इंस्पेक्टर विजया भीलाला को गिरफ्तार किया है। महिला अधिकारियों ने जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) नंबर देने के बदले ठेकेदार 6000 रुपए की डिमांड की थी। शहर की महावीर बाग कॉलोनी निवासी दीप सिंह बुनकर ने महिला अधिकारियों के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि मेरी श्री राधा कॉन्ट्रैक्टर नाम से फर्म है। उज्जैन-बदनावर रोड पर जीआर कंपनी से सीमेंट-गिट्टी का काम ले रखा है। काम पूरा होने पर कंपनी ने जीएसटी नंबर लाने को कहा था। मैंने 23 अगस्त को इसके लिए अप्लाई किया था। दोनों महिला अधिकारी नंबर देने के बदले में 6000 रुपए रिश्वत की डिमांड कर रही थीं। बाद में दोनों 3500 हजार रुपए में नंबर देने पर राजी हो गईं। घूस की रकम देने के लिए ठेकेदार को महिला अधिकारियों ने सहायक ग्रेड-3 किरण जोशी के केबिन में बुलाया था। ठेकेदार पहुंचे तो यहां दोनों महिला अधिकारी ही थीं। ठेकेदार के रुपए देने पर जोशी ने ड्रॉज में रखने को कहा। इसके थोड़ी देर बाद लोकायुक्त ने दबिश दी।

प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर ट्रक की टक्कर से 10 मजदूरों की मौत,3 घायल

प्रयागराज-वाराणसी मार्ग स्थित कटका गांव में गुरुवार की रात भीषण हादसा हो गया। हादसे में 10 श्रमिकों की मौत हो गई। जबकि, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। वाराणसी के ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा है। यह श्रमिक भदोही जिले के तिउरी गांव से छत की ढलाई कर लौट रहे थे। दरअसल, वाराणसी के मिर्जामुराद थाना अंतर्गत बीरबलपुर के एक दर्जन से अधिक श्रमिक छत की ढलाई करने भदोही जिले के तिउरी गांव गए थे। ढलाई का काम पूरा होने के बाद देर रात वह ट्रैक्टर गांव लौट रहे थे, तभी रास्ते में ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के वक्त ट्रैक्टर में ड्राइवर समेत 13 लोग सवार थे। इनमें से 10 की मौत हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, औराई तरफ से आ रहे ट्रक ने पहले बाइक सवारों और फिर ट्रैक्टर को ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। दोनों वाहनों की भिड़ंत इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर उछल कर सड़क किनारे बने नाले में गिर गया। बाद में ट्रक भी ट्रैक्टर ऊपर से होते हुए नाले में फंस गया। हादसे में ज्यादातर लोगों की मौके पर मौत हो गई। रात 12-30 बजे हुई इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर सीओ अमर बहादुर सहित समेत आसपास के थानों से पुलिस बल पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया। सड़क दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया था। एसपी अभिनन्दन और सीओ सदर ने उन्हें समझाइश देकर जाम खुलवाया। जिससे वाहनों का आवागमन शुरू हो सका। अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह और एसडीएम गुलाब चंद्र भी घटनास्थल पर पहुंचे। वाहनों के बिखरे टुकड़े और मृतकों के शव सुरक्षित रखवाए गए। जबकि, घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया।

5600 करोड़ की ड्रग्स खुलासे से जुड़ा कांग्रेस नेता का नाम

नई दिल्ली। 5600 करोड़ रुपए के इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट मामले के तार अब कांग्रेस से जुड़ते दिख रहे हैं। भाजपा ने गुरुवार को बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश की सबसे पुरानी पार्टी पर खूब हमला बोला। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा कि आखिर कांग्रेस के इस व्यक्ति के ड्रग सिंडिकेट से क्या रिश्ते हैं? सुधांशु त्रिवेदी ने ये सारे अरोप दिल्ली पुलिस की ओर से किए गए खुलासे के आधार पर लगाए हैं। बीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले दिल्ली पुलिस ने बताया कि इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट में मास्टरमाइंड तुषार गोयल का नाम सामने आया है, जो 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है। सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता में सीधे सांसद राहुल गांधी पर अटैक किया। बीजेपी के राज्यसभा सांसद ने राहुल को संबोधित करते हुए कहा किअब लगता है मोहब्बत की दुकान में नफरत के सामान तो मिल ही रहे थे, अब नशे का सामान भी मिलने लगा है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर इतने बड़े ड्रग सिंडिकेट के खुलासे से तुषार गोयल के क्या संबंध हैं? बीजेपी सांसद ने कहा कि हमारे पास यूथ कांग्रेस के चेयरमैन पद के लिए तुषार गोयल का नियुक्ति पत्र भी है। इस नियुक्ति पत्र में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का भी जिक्र है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तुषार गोयल की हरियाणा के कांग्रेस नेता और सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ भी फोटो है। बीजेपी ने पूछा कि लोगों को जानने का हक है कि तुषार गोयल का आपसे क्या संबंध है? सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी, हुड्डा परिवार से जवाब चाहिए।

शेयर बाजार में सुनामी...10 लाख करोड़ का फटका, सेंसेक्स 1769.19 अंक नीचे

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहा तनाव दुनियाभर के शेयर मार्केट पर भारी पड़ रहा है। इजराइल पर ईरान बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर रहा है। वहीं इजराइल ने लेबनान में भी हमला बढ़ा दिया है। इस हमले के कारण बाजार में डर का माहौल है। इसके चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में फिर से हाहाकार मच गया। निवेशकों के एक दिन में करीब 10 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गया। सेंसेक्स में 1700 अंक से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं निफ्टी भी 500 से ज्यादा अंक दिया। ऐसे में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में एक दिन में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव है। इस तनाव के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। गुरुवार को शेयर मार्केट की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 800 अंकों की गिरावट के साथ खुला। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स 1769.19 अंक गिरकर 82,497.10 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 546.80 अंक गिरकर 25,250.10 पर बंद हुआ। इस हफ्ते यह तीसरा दिन है जब शेयर मार्केट में गिरावट आई। सोमवार को सेंसेक्स में 1200 से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी। मंगलवार को भी इसमें थोड़ी सी गिरावट आई। बुधवार को गांधी जयंती के कारण मार्केट बंद था। गुरुवार को जेएसडब्ल्यू स्टील को छोड़ सभी स्टॉक नुकसान में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स के शेयरों में दिखाई दिया। इनमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं रिलायंस, मारुति और एशियन पेंट्स ऐसे रहें जिनमें गिरावट 4 फीसदी से कुछ ही नीचे रही। जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर में गुरुवार को एक फीसदी से कुछ ज्यादा की तेजी देखने को मिली।

किसानों के लिए बड़ा ऐलान

मोदी सरकार की इन योजनाओं से बढ़ेगा कृषि उत्पादन, शिवराज ने बताए फायदे

मोदी सरकार ने दिवाली से पहले किसानहित में बड़ा निर्णय लिया है। गुरुवार को हुई मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना को मंजूरी दी गई है। इन योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए सरकार 1,321 करोड़ खर्च करेगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में प्रेस कान्फ्रेंस कर मोदी सरकार के किसान हितैषी निर्णयों की जानकारी दी। कहा, मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। पिछले 120 दिन में हमने किसान हितैषी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। जिससे न सिर्फ खेती के तौर तरीकों में बदलाव आएगा, बल्कि किसानों को आर्थिक मोर्चे पर भी फायदा होगा।कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त शनिवार को जारी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम से देशभर के लगभग 9.4 करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर करेंगे।

रतलाम में पलटी मालगाड़ी, यातायात प्रभावित, मुबंई-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें खड़ी रहीं

मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर गुरुवार रात रतलाम स्टेशन के पास डीजल लोड गुड्स ट्रेन के दो टैंकर पटरी से उतर गए। इस दौरान एक टैंकर पलट गया। जिससे रात 2 बजे तक डीजल गिरता रहा। हादसे की सूचना मिलते ही दुर्घटना रिलीफ ट्रेन भेजकर यातायात बवाल कराने का काम शुरू किया गया। रतलाम में यह ट्रेन हादसा गुरुवार रात करीब 10 बजे हुआ है। रतलाम-नागदा रूट पर गुड्स ट्रेन के दो वैगन डिरेल होने से दिल्ली-मुम्बई डाउन लाइन पर रात 2 बजे तक यातायात ठप रहा। रेलवे के कर्मचारी मेंटीनेंस कार्य में जुटे हुए हैं। जबकि, मुबंई-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस समेत कुछ ट्रेनें आसपास के स्टेशनों में घंटों खड़ी रहीं। रात 12 बजे बाद अप लाइन से उन्हें निकाला गया। डीआरएम रजनीश कुमार, एडीआरएम और आरपीएफ समेत रेलवे के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। डिरेल वैगन को छोड़कर शेष वैगन वहां से रवाना कराए। कलेक्टर राजेश बाथम ने बताया, डीजल से भरी गुड्स ट्रेन बड़ौदा से भोपाल के मकानिया डिपो जा रही थी। रतलाम के पास उसके दो वैगन पटरी से उरत गए हैं। एक टैंकर पलट गया, जिससे डीजल लीक हो रहा था। मेंटीनेंस जारी है। डीआरएम रजनीश कुमार ने बताया, रेलवे ट्रैक चालू करने पर फोकस है। इंडियन ऑइल कंपनी के ऑफिसर्स को भी मदद के लिए बुलाया गया है।

निम्न जातियों से सफाई, उच्च को रसोई में काम...जेल में ऐसा नहीं चलेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जेलों में लंबे समय से जारी जाति आधारित भेदभाव की प्रथा को समाप्त कर दिया। कोर्ट ने जेल मैनुअल में मौजूद जाति आधारित भेदभाव को असंवैधानिक करार देते हुए तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए हैं। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सुनाया गया यह फैसला विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और विमुक्त जनजातियों के खिलाफ जेलों में व्याप्त भेदभाव पर केंद्रित था। न्यायालय ने केंद्र और सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी कैदी जाति के आधार पर काम या रहने की व्यवस्था में भेदभाव का सामना न करे। सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल के उस नियम का भी जिक्र किया जिसमें निम्न जातियों से सफाई का काम कराया जाता है और उच्च जातियों को रसोई में काम दिया जाता है। सीजेआई की पीठ ने राज्यों को चेतावनी दी कि अगर जेलों में किसी भी प्रकार का जाति आधारित भेदभाव पाया गया तो इसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए- सीजेआई ने कहा कि जाति आधारित भेदभाव, चाहे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, गुलामी काल के शासन की एक विरासत है। संविधान के अनुसार कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए और उनके मानसिक और शारीरिक कल्याण का ध्यान रखा जाना चाहिए। इस मामले में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी शामिल थे। बेंच ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया जहां ऐसा भेदभाव जारी है। पीठ ने कहा कि वे अपने जेल नियमों में तुरंत बदलाव करें और तीन महीने के भीतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को भी 2016 के मॉडल जेल नियमों में संशोधन करने के आदेश दिए गए हैं, जो राज्यों को अपराधियों को 'आदतन अपराधी' के रूप में वर्गीकृत करने की अनुमति देते हैं।

जाति आधारित पूर्वाग्रह को बनाए नहीं रख सकते- फैसले में कहा गया कि जेल मैनुअल जाति आधारित पूर्वाग्रह को बनाए नहीं रख सकते, किसी भी समूह को केवल साफ-सफाई जैसे काम तक सीमित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने अनुच्छेद 17 का भी हवाला दिया, जो छुआछूत को समाप्त करता है, और कहा कि जाति के आधार पर श्रम सौंपना छुआछूत का एक रूप है जो संवैधानिक लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल की उन धाराओं को भी खारिज कर दिया, जो कुछ जातियों के कैदियों को निम्न कार्य करने के लिए बाध्य करती थीं। अदालत ने कहा कि इस तरह की प्रथाएं वर्ग आधारित पूर्वाग्रह को बढ़ावा देती हैं और मानव गरिमा का उल्लंघन करती हैं।

सिंगल कॉलम

इंस्ट्राग्राम फ्रैंड ने किया नाबालिग छात्रा से रेप, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली एक 17 साल की स्टूडेंट से रेप का मामला सामने आया है। नाबालिक की आरोपी से एक साल पहले ही इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। आरोपी ने लसूडिया इलाके की होटल में ले जाकर तीन बार रेप किया। दबाव के चलते पीड़िता नर्वस रहने लगी। इसके बाद परिवार को उसने अपने साथ हुई पूरी घटना को लेकर जानकारी दी। आजाद नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 12वीं क्लास में पढ़ने वाली निजी स्कूल की स्टूडेंट की शिकायत पर पुलिस ने निर्मल केवट के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि उसकी 1 साल पहले इंस्टाग्राम पर निर्मल से पहचान हुई। दोनों में अच्छी बातचीत होने लगी। निर्मल ने 5 सितंबर को मिलने के लिए डेली कॉलेज के यहां पर बुलाया। ऑटो में बैठाकर घूमने ले गया। देवास नाका स्थित सॉलिट्यूड होटल में निर्मल ने पीड़िता से रेप किया। धमकी दी कि उसने वीडियो बना लिए हैं, यह बात किसी को बताई तो बदनाम कर देगा। जब भी मिलने बुलाए आना पड़ेगा। इसके बाद निर्मल ने घर के बाहर रिक्शा से उतार दिया। पीड़िता ने डर के चलते यह बात किसी को नहीं बताई। इसके बाद निर्मल ने दबाव बनाते हुए फिर से मिलने बुलाया। 14 सितंबर को फिर से इसी होटल में ले जाकर रेप किया। इसके बाद 23 सितंबर को डरा धमकाकर फिर उसी होटल में ले जाकर रेप किया। दबाव और डर के चलते पीड़िता नर्वस रहने लगी। मां के पूछने पर रोते हुए छात्रा ने पूरी घटना बताई। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज किया है।

रेट में गड़बड़ी पर कलेक्टर ने 6 शराब दुकानों के लाइसेंस किए सस्पेंड

इंदौर। इंदौर कलेक्टर ने आशीष सिंह अनियमितताएं बरतने वाले छह शराब दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए हैं। इनमें से 5 दुकानों के लाइसेंस 1 दिन (4 अक्टूबर) के लिए सस्पेंड किए हैं। एक दुकान का लाइसेंस दो दिनों (4-5 अक्टूबर) के लिए सस्पेंड किया है। जिन दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए हैं उनमें कंपोजिट मदिरा दुकान निरंजनपुर, एम.आर.-9, तेजाजी नगर कं. -2, पीपल्यापाला और खंडवा नाका दुकान पर शराब अधिक कीमत बिक्री करना पाया गया। इसी तरह कंपोजिट शराब दुकान अभिलाषा नगर द्वारा निर्धारित कीमत से कम मूल्य पर शराब बेचना या गया। साथ ही शराब दुकान अभिलाषा नगर द्वारा उक्त वित्तीय अनियमितता बरती गई। यह दुकान भी दो दिन के लिए सस्पेंड की गई है।

24 साल का युवक रात में सोया तो उठा ही नहीं, कार्डियक अरेस्ट से मौत

इंदौर। इंदौर के पढ़रीनाथ में रहने वाले 24 साल के युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि वह बुधवार रात सोया तो उठा ही नहीं। पुलिस ने मामले में शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय भेजा है। मौत के पीछे कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई जा रही है। पंढरीनाथ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अमन (24) पुत्र संतोष चौहान निवासी मोती तबेला को शाम 6 बजे मृत अवस्था में एमवाय लेकर आया गया। यहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ताऊजी के बेटे अक्षय ने बताया कि अमन कपड़ा मार्केट में काम करता था। मंगलवार रात सोने के बाद सुबह उठकर वह काम पर नहीं गया। इसके बाद दोपहर में उठा तो उसे डेढ़ बजे के लगभग उल्टी हुई। घबराहट होने के चलते वह वापस सो गया। लेकिन शाम 6 बजे तक वह नहीं उठा। अमन की मां ने उसे अक्षय को कॉल किया तो वह घर पहुंचा। यहां अमन के शरीर में किसी तरह की हलचल नहीं थी। इसके बाद एंबुलेंस से एमवाय ले गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है।

अब रेडिसन चौराहा तक एलिवेटेड कॉरिडोर की प्लानिंग

इंदौर। इंदौर में अब रेडिसन चौराहा से चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा तक एलिवेटेड कॉरिडोर बनने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए इंदौर विकास प्राधिकरण फिजिबिलिटी सर्वे कराएगा। चार किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर चार बड़े जंक्शन है। इनके उपर से यह गुजरेगा। अब देखना है कि सर्वे में इसका ट्रैफिक लोड कितना आता है। इंदौर विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में इस प्रोजेक्ट पर सहमति बनी। पहले इंदौर में एलआईजी चौराहा से नवलखा तक 300 करोड़ की लागत से एलिवेटेड कॉरिडोर बनना था, लेकिन ट्रैफिक लोड सिर्फ 3 प्रतिशत आने के कारण मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में उसे रद्द करने को कहा था। इसके बाद अब नए प्रोजेक्ट पर विचार किया जा रहा है। बैठक में इंदौर की क्षेत्रीय विकास व निवेश योजना के लिए कंसलटेंट नियुक्त करने के साथ निगरानी के लिए एक कमेटी बनाने पर भी सहमति बनी।

उल्लास चरम पर...गरबा पांडालों में उमड़ी लाखों की भीड़

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में शारदीय नवरात्र प्रारंभ होते ही उल्लास चरम पर पहुंच गया है। पहले ही दिन शहर की सड़कों पर उत्साह देखते बन रहा था। सुबह से माता रानी की प्रतिमाएं लेने के लिए उमड़े भक्त और बालिकाएं उत्साह से लबरेज नजर आए। गरबों की थाप और माता के भजनों के बीच प्रतिमाओं को लेने के लिए लाखों की भीड़ उमड़ी। बंगाली चौराहे, नंदा नगर, छावनी, राजबाड़ा से अधिकतर प्रतिमाएं लाई गई। शहरभर में 2500 से ज्यादा पांडालों में मां दुर्गा विराजी हैं। इनमें से कई मूर्तियां तो 20 फीट से ज्यादा ऊंची हैं। इंदौर में हर गली मोहल्ले में गरबे के पांडाल लगे हैं। आयोजन समितियों ने बालिकाओं के गरबे के साथ भोजन प्रसादी और भंडारे के भी आयोजन किए हैं। शहर के कई गरबा पांडाल आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहते हैं। इनमें कनकेश्वरी देवी, दशहरा मैदान, खजराना गणेश मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, जंजीरवाला चौराहा, अभय प्रशाल प्रमुख हैं। यहां पर लाखों लोग गरबे देखने के लिए पहुंचे।

प्रशासन ने जारी की हेल्पलाइन 7049119202
इंदौर में प्रशासन ने, नवरात्र उत्सव के माहौल के बीच युवतियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए कमर कस ली है। गरबा पांडालों में आयोजकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा गया है और पर्याप्त संख्या में गार्ड व वोलेंटियर्स की व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया है। इसके अलावा मनचले यदि युवतियों को परेशान करें तो वे उनके फोटो खींच कर पुलिस विभाग को भेज सकती हैं। पुलिस ने इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 7049119202 भी जारी किया है।

ट्रैफिक संभालने में लगी रही पुलिस
सुबह से माता की प्रतिमाओं को ले जाने के लिए जगह जगह जुलूस आयोजित किए गए। इन सबके बीच ट्रैफिक पुलिस ने व्यवस्थाओं को संभालने के लिए कई स्तर पर काम किया। राजबाड़ा, छावनी, बंगाली के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया जिसने ट्रैफि डायवर्ट किया। जाम की स्थिति में वाहनों को अन्य रास्तों से निकालकर रास्ते खुलवाए।

संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल
पुलिस आयुक्त (एडीजी) राकेश गुप्ता ने बुधवार को डीसीपी से लेकर एसीपी तक की बैठक ली थी। सभी अधिकारियों से कहा कि गरबा पंडाल और दुर्गा पूजन स्थलों की सूची बनाएं। आयोजकों, सदस्यों का सत्यापन करें।
आयोजन की अनुमति ली है या नहीं इसकी भी पड़ताल करें। पहले कलेक्टर कार्यालय से अनुमति मिलती थी। कमिश्नोरेट के बाद एसीपी कार्यालयों से अनुमति लेना पड़ती है। शांति व्यवस्था बनाने के लिए शांति समिति की बैठक करके नागरिकों से समन्वय स्थापित करें। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त बल तैनात करने और ड्रोन कैमरे से पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए। जो लोग पूर्व में विवादों में लिप्त हैं उन्हें बाउंड ओवर करने को भी कहा गया।

‘लव जिहाद’ के आरोपों में घिरा गरबा आयोजन पुलिस ने किया निरस्त

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में गरबा आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया। भंवरकुआ इलाके में आयोजित इस गरबा आयोजन के आयोजक पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने लव जिहाद फैलाने का आरोप लगाया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आयोजन स्थल से टेंट और पोस्टर हटा दिए। पुलिस ने कार्यक्रम को रद्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आयोजक पर लव जिहाद फैलाने का आरोप लगाया था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच की। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार्यक्रम स्थल से टेंट और पोस्टर हटवा दिए। भंवरकुआ टीआई ने बताया कि जिले के बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद कार्रवाई की गई है।

बजरंग दल ने यह बताया था शिकायत में
बजरंग दल के कार्यकर्ता राम दांगी ने पुलिस से शिकायत की थी कि पिछले कई सालों से फिरोज खान भावना नगर में गरबा मंडल के नाम पर मूर्ति स्थापना के साथ गरबा का आयोजन कर रहे हैं। यह आयोजन लव जिहाद को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। राम दांगी ने कहा कि जो लोग मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते वे नौ दिनों तक रीति-रिवाज से पूजा कैसे करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बजरंग दल ने पहले ही प्रशासन को ऐसे आयोजनों में एक वर्ग विशेष के लोगों के प्रवेश को लेकर सचेत कर दिया है।

आयोजक फिरोज खान ने यह कहा
पूरे मामले को लेकर आयोजक फिरोज खान का कहना है कि वे 35 सालों से इस आयोजन से जुड़े हैं, लेकिन उन्हें कभी किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक लोगों की फोटो को लेकर आपत्ति थी। इसी को लेकर पूरा माहौल बनाया गया है। मैं भाजपा का सक्रिय सदस्य हूं, मुझे जानबूझकर आयोजन से दूर रखा जा रहा है।

देवी मां की मूर्ति की पोशाक को लेकर हुआ बवाल
वहीं, खजराना इलाके में मूर्तिकारों द्वारा देवी मां की मूर्ति को बुर्के जैसी पोशाक पहनाने की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों ने हंगामा कर दिया था। हंगामे के बाद संगठनों ने थाने पहुंचकर मूर्ति बनाने वाले और नौ दिन तक मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि हिंदू संगठनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो बुर्के जैसा कुछ नहीं मिला, लेकिन पुलिस मूर्तिकार को थाने ले आई और उससे पूछताछ की। जानकारी के मुताबिक मूर्ति बनाने वाला कारीगर और मूर्ति बनवाने वाला दोनों ही हिंदू हैं।

12 बजे के बाद बंद करना होगा गरबा
बता दें कि किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए प्रशासन में व्यापक तैयारी की है। पुलिस ने गरबा आयोजकों को सख्त दिए हैं। पुलिस ने कहा है कि 12 बजे के बाद गरबा बंद होना चाहिए। यदि बंद नहीं होगा तो पंडाल और आयोजक समिति पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा माहौल बिगाड़ने वालों पर भी तुरंत एक्शन लिया गया है।

शाहनवाज हुसैन बोले- हरियाणा चुनाव में राहुल और प्रियंका हो गए फेल

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। हरियाणा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका फेल हो गए। कांग्रेस में पूरी तरह अंतरद्वंद हैं। यहां फिर से भाजपा सरकार बनाएगी और हैट्रिक भी मारेगी। पूर्व मंत्री अशोक तंवर का मन भटकता है। कल तक बीजेपी का प्रचार कर रहे थे और शाम को कांग्रेस के गोद में जाकर बैठ गए। यह बात भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने गुरुवार को इंदौर में मीडिया से कही। वे एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर आए थे। उन्होंने पूर्व पर अशोक तंवर पर हमला करते हुए कहा कि सुनीता दुग्गल का टिकट काटकर उन्हें टिकट दिया था। अगर दुग्गल लड़ती तो वो जरूर जीत जाती लेकिन वे फिर भी बीजेपी की जीती हुई सीट पर चुनाव हार गए थे। हमारे 5 सांसद जीते लेकिन वे हार गए। उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर साधा निशाना साधा और कहा कि चुनाव में कोई भी बालक बुद्धि कुछ भी बोल जाए उसका क्या करें। जिन्होंने इमरजेंसी लगाई, संविधान की धज्जियां उड़ाई उन्हें संविधान पर बोलने की कोई जरूरत नहीं। राहुल गांधी देश के बाहर राजनीति की सारी मयार्दा तोड़ देते हैं। उन्होंने किसान और जाट की नाराजगी के सवाल पर पर कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा और सारी बिरादियो को बांटने की कोशिश की।
उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने पर बधाई दी लेकिन बिहार को लेकर बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि एसटी हसन अनर्गल बयानबाजी करके खबरों में बने रहना चाहते हैं। लाल टोपी पहनकर भड़कने का काम न करें यह ओछी बयानबाजी है। इस बयान की सबसे ज्यादा लानत मुसलमान दे रहे हैं। उनके बयान को लेकर मुस्लिम समाज में गुस्सा है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर उन्होंने कहा कि कांग्रेसी सावरकर को बदनाम करने की कोशिश न करें। कांग्रेसियों को उनका अपमान करने का अधिकार नहीं हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आ?वास छोड़ने पर कहा कि इतना बड़ा शीश महल छोड़ेंगे तो नींद कैसे आएगी। जेल से बेल पर आए है शीश महल को तो छोड़ना ही होगा। गरबा पांडाल में आधार कार्ड को लेकर कहा यह अच्छा निर्णय है। इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। हुसैन दिवगंत वरिष्ठ नेता गोविंद मालू के निवास पर भी गए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

लाड़ली लक्ष्मी योजना का मजाक उड़ाने पर युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर केस

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने सोशल मीडिया पर भ्रामक मैसेज वायरल करने के आरोप में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पर केस दर्ज किया है। बीजेपी विधि प्रकोष्ठ के संयोजक ने इस मामले में पुलिस से शिकायत की थी। क्राइम ब्रांच ने भारतीय जनता पार्टी के संयोजक निमिष पाठक की शिकायत पर युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेश दर्शन सिंह पर केस दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच के अफसरों के मुताबिक शिकायत में बताया गया है कि सीएम की लाड़ली लक्ष्मी योजना को लेकर मितेश के ट्विटर अंकाउट पर भ्रामक तरीके से वीडियो जारी किया है। जिसमें योजना का मजाक उड़ाया है। यह राष्ट्रदोह की श्रेणी में आता है। इस वीडियो में भाषा का चयन करते हुए भी देशभर में गलत मैसेज कर शांति व्यवस्था को बिगाड़ने की बात कही गई है।

पिकनिक मनाने गए दो छात्रों की मुहाड़ी फॉल में डूबने से मौत

इंदौर। स्वजन को बताए बगैर पिकनिक मनाने गए दो छात्र मुहाड़ी फाल में डूब गए। एक छात्र का 20 घंटे बाद शव निकाल लिया, लेकिन दूसरा अभी तक लापता है। अंधेरे के कारण गोताखोर, पुलिस और एसडीइआरएफ ने ऑपरेशन रोक दिया है। डीएसपी (मुख्यालय) उमाकांत चौधरी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम हुआ है। बाणगंगा थाना क्षेत्र में रहने वाला मयंक निनामा दोस्त शिवांग ठाकुर (सिसोदिया), दुर्गेश राठौर और एक अन्य युवक के साथ पिकनिक मनाने गया था। दुर्गेश और उसका दोस्त तो पहाड़ी पर रुक गया, लेकिन मयंक और शिवांग करीब 500 फीट नीचे कुंड में नहाने चले गए। दो घंटे बाद भी बाहर न आने पर दुर्गेश चौकीदार के पास गया और घटना बताई। चौकीदार और ग्रामीणों ने युवकों को आवाज लगाई, लेकिन जवाब नहीं मिला। खुड़ैल थाना और कंपेल चौकी से जवान पहुंचे, लेकिन अंधेरा हो चुका था। करीब एक घंटे बाद युवकों के जूते और वस्त्र दिखाई दिए। गोताखोरों ने युवकों को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण रात को ऑपरेशन रोकना पड़ गया। गुरुवार सुबह दोबारा तलाशी शुरू हुई, तो 12 बजे मयंक का शव मिल गया। वह खोह के बीच फंसा हुआ था। शिवांग का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इशाबाग कॉलोनी (गोविंद नगर खारचा) निवासी मयंक आइटीआइ में द्वितिय वर्ष का छात्र था। शिवांग भी प्रथम वर्ष का छात्र है। दोनों के पिता ऑटो रिक्शा चलाते है। मयंक के पिता रोशन के मुताबिक देर शाम तक घर न लौटने पर दुर्गेश को फोन लगाया था। उसने बताया कि चारों पिकनिक मनाने मुहाड़ी फॉल आ गए थे।रात को ही स्वजन खुड़ैल पहुंच गए। डीएसपी के मुताबिक पिकनिक स्पॉट को पुलिस ने खतरनाक घोषित कर रखा है। युवक-युवतियां पुलिस और चौकीदार को चकमा देकर नहाने उतर जाते है। पहले भी हादसे हो चुके है।

निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट ने पलटा, हत्या के दोषी को जमानत

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने एक हत्या के दोषी को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि सिर्फ इसलिए जमानत नहीं रोकी जा सकती क्योंकि परिवार में उसे कंट्रोल करने वाला कोई पुरुष नहीं है। दोषी को नाबालिग होने के कारण सात साल की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति विजय शुक्ला ने अपने आदेश में कहा कि अपराध के समय दोषी की उम्र 16 साल से ज्यादा और 18 साल से कम थी। उस पर एक वयस्क के रूप में मुकदमा चलाया गया था। वह सुरक्षा के स्थान पर रह रहा है। यह अवधि अब खत्म हो चुकी है। उसे नियमित जेल भेजा जाना है क्योंकि वह 21 साल से ज्यादा का हो चुका है। जस्टिस शुक्ला ने गौर किया कि दोषी सजा से पहले नौकरी करता था। परिवीक्षा अधिकारी की रिपोर्ट में उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है। पर उसकी सजा के निलंबन के आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उसके पिता को शराब पीने की आदत है। परिवार में उसे कंट्रोल करने वाला कोई पुरुष सदस्य नहीं है।

21 साल से अधिक का है आरोपी
जस्टिस शुक्ला ने कहा कि इस अदालत को जमानत देने का मामला प्रथम दृष्टया सही लगता है। अपील करने वाला 21 साल से ज्यादा का है। उसे केवल इस आधार पर जमानत या सजा के निलंबन से इनकार नहीं किया जा सकता है कि परिवार में उसे कंट्रोल करने वाला कोई पुरुष सदस्य नहीं है। अदालत का मानना है कि अपीलार्थी को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए लेकिन वह परिवीक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, शाजापुर की निगरानी में रहेगा। अदालत ने आगे कहा कि जेल की सजा निलंबित रहेगी। उसे 25,000 रुपए का निजी मुचलका यानी जमानत बांड भरने पर रिहा किया जाएगा। अदालत की संतुष्टि के लिए उक्त राशि तक एक जमानतदार की व्यवस्था करने के लिए तीन महीने का समय दिया जाता है। इस शर्त पर कि अपीलार्थी हर दो महीने में एक बार परिवीक्षा अधिकारी को रिपोर्ट करेगा। उसके प्रदर्शन और आचरण की निगरानी की जाएगी।
हर छह महीने में परिवीक्षा अधिकारी अदालत को उसके आचरण और व्यवहार के बारे में एक रिपोर्ट सौंपेगा। अदालत ने आदेश दिया कि अगर कोई प्रतिकूल रिपोर्ट मिलती है तो अभियोजन पक्ष जेल की सजा के निलंबन को रद्द करने की मांग कर सकता है।

निचली अदालत ने याचिका कर दी थी खारिज
इससे पहले निचली अदालत ने दोषी की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि उसके पिता को शराब पीने की लत है। परिवार में भी उसे कंट्रोल करने के लिए कोई पुरुष सदस्य नहीं है। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया है।

युवा कांग्रेस ने लॉच किया इंदिरा फेलोशिप अभियान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। युवा कांग्रेस ने इंदिरा फेलोशिप अभियान लॉच किया है। इंदिरा फेलोशिप कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक पहल है, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने शासन के विभिन्न पहलुओं, विशेष रूप से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में, महिलाओं को प्रोत्साहित और सशक्त ब इंदिरा फेलोशिप अभियान लॉन्च किया नाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। कांग्रेस पार्टी ने ऐसी नीतियां और पहलें लागू की हैं, जिनसे

राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मितेन्द्र सिंह ने कहा हमारे नेता राहुल गांधी महिलाओं की राजनीति और राष्ट्र निर्माण में बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने के विचार में गहरी आस्था रखते हैं और उन्होंने महिलाओं से इस क्रांति, जिसे शक्ति अभियान कहा जाता है, में शामिल होने का आग्रह किया है।

शक्ति अभियान का महत्वपूर्ण घटक

इंदिरा फेलोशिप शक्ति अभियान का एक महत्वपूर्ण घटक है और इसे उन महिलाओं को एक मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो अपने समुदायों में स्थायी प्रभाव छोड़ने की आकांक्षा रखती हैं। एक राजनीतिक उपकरण के रूप में, यह आंदोलन हक, हिस्सेदारी और पहचान के मूल विचारों पर आधारित है।

आगे जानकारी देते हुए गीता कड़वे ने बताया एक वर्ष की छोटी सी अवधि में, 300 से अधिक फेलो ने 28 राज्यों और 350, ब्लॉकों में 4300 शक्ति क्लब स्थापित किए हैं, जिनमें 31000 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो शक्ति अभियान की स्थापना और संचालन का प्रमुख केंद्र हैं। हमारा लक्ष्य है कि महिलाओं को संसाधनों, अवसरों और सत्ता संरचनाओं में 50त्न हिस्सेदारी मिले। इस प्रभावशाली पहल के माध्यम से हम राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की रुचि को समान स्थान देने का प्रयास कर रहे हैं।

गीता कड़वे ने कहा कि हमारी इच्छाओं और आकांक्षाओं का सही ढंग से प्रतिनिधित्व कभी भी विभाजित और ध्रुवीकृत समाज में नहीं हो सकता; इसलिए शक्ति अभियान महिलाओं से नफरत और हिंसा के खिलाफ संगठित होने का आग्रह करता है।

देश की वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक स्थिति में महिलाओं की भूमिका परिवर्तनकारी के रूप में आवश्यक है, ताकि वे हिंसक और नफरत से भरी राजनीतिक अपीलों से दूषित हो चुके सार्वजनिक विमर्श को पलटने में मदद कर सकें। हम शक्ति अभियान में इस संकल्प के साथ काम कर रहे हैं कि महिलाओं को केंद्र में रखकर एक रचनात्मक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी।

भोपाल में प्रदर्शन करने वाले अतिथि शिक्षकों पर दर्ज हुई एफआईआर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी पूरी करने वाले अतिथि शिक्षकों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। एक दिन पहले राजधानी भोपाल में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। राजधानी के आंबेडकर मैदान में नियमितीकरण समेत अन्य मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे थे रात को पुलिस की जमकर झड़प हो गई। अतिथि शिक्षक मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए आगे बढ़ना चाहते थे तो उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगाए। इस पर अतिथि शिक्षक सड़कों ने सड़क पर बैठकर धरना दिया। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि बुधवार रात 8 बजे के बाद अचानक पार्क की लाइट्स बंद कर दी गईं। पहचान न हो सके, इस वजह से पुलिस ने अंधेरे में प्रदर्शनकारियों पर जमकर लाठीचार्ज किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान भोपाल पुलिस का एक विवादित बैनर भी सामने आया था, जिसमें प्रदर्शनकारी अतिथि शिक्षकों पर गोली चलाने की बात लिखी गई थी। अब गुरुवार को अतिथि शिक्षकों पर एफआईआर कर दी गई है। अतिथि शिक्षकों ने कहा है एफआईआर वापस लें नहीं सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में ,जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

चार नामजद सहित अन्य के खिलाफ एफआइआर

थाना टीटी नगर पुलिस ने अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष केसी पवार, बीएम खान, मुकेश जोशी, संतोष व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। थाना प्रभारी सुनील भदौरिया ने बताया कि टीटी नगर थाने में चार नामजद सहित अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन बिना अनुमति किया जा रहा था। बीएनएस की धारा 223 के अंतर्गत आरोपितों पर प्रकरण दर्ज हुआ है।

अतिथि शिक्षक आतंकवादी और अपराधी नहीं

अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा है कि अतिथि शिक्षक आतंकवादी और अपराधी नहीं हैं। अतिथि शिक्षकों की मांगें जायज हैं । मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में हजारों अतिथि शिक्षकों को शासकीय

खर्चे पर भोपाल बुलाकर 02 सितंबर 2023 को अतिथि शिक्षक पंचायत आयोजित की थी । जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी ने मंच से गुरुजियों की भांति विभागीय परीक्षा लेकर नियमित करने ,वार्षिक अनुबंध, सीधी भर्ती में पचास प्रतिशत आरक्षण और बोनस अंक देने की घोषणाएं की थीं । घोषणा के एक वर्ष पूरा होने के बाद भी आदेश जारी नहीं हुए हैं। सैकड़ों बार आवेदन निवेदन और ज्ञापन देने के बाद भी सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जिसकी वजह से गांधी जयंती के दिन भोपाल के अंबेडकर पार्क में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देना चाहते थे।

अतिथि शिक्षकों पर बर्बरता से लाठियां बरसाई

अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पुलिस ने बेरिगेट लगाकर रोक दिया था इसलिए उसी जगह शांतिपूर्ण तरीके से बैठ गए थे। रात के लगभग 7.30 बजे पुलिस ने लाइट बंद करवाकर अतिथि शिक्षकों पर बर्बरता से सैकड़ों अतिथि शिक्षक भाई बहिनों पर लाठियां बरसाई जिसमें उनको गंभीर चोटें आई हैं । उनके शरीर में लाठियों के निसान स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। समस्त अतिथि शिक्षक मध्यप्रदेश सरकार और भोपाल पुलिस की क्रूरता का विरोध करते हैं। सरकार एफआईआर वापस ले नहीं तो शीघ्र प्रदेश के एक लाख अतिथि शिक्षक बिना अनुमति के फिर भोपाल आयेंगे । सरकार सभी पर एफआईआर करवाए कोई भी जमानत नहीं लेगा सभी अतिथि शिक्षक खुशी से जेल जायेंगे । लाठीचार्ज के विरोध में जिला स्तर तक राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे।

मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट किए

सीधी जिले से आए अतिथि शिक्षक रविकांत गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने उन लोगों को अधिक पीटा, जिनके मोबाइल में पुलिस की बर्बरता की वीडियो थे। मोबाइल तक छीन लिए गए। फोन से जबरन वीडियो डिलीट किए गए। इसके बाद पुलिस ने सभी को अलग-अलग जगह छोड़ दिया। लोग रात भर भटकते रहे। अलग-अलग लॉज धर्मशाला और होटलों में शरण ली।

पुलिस और अतिथि शिक्षकों में हुई थी झड़प

अतिथि शिक्षक जब सीएम हाउस का घेराव करने आगे बढ़ रहे थे, तब उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगाए। पुलिस से उनकी झड़प और धक्कामुक्की भी हुई। प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। बुधवार रात 8 बजे पुलिस ने अतिथि शिक्षकों पर अचानक लाठीचार्ज कर दिया।

एक बैनर भी लगाया गया, जिसमें लिखा था, बलवाइयों आपका मजमा गैरकानूनी करार दिया गया है।

भारी बारिश से मिली राहत...लेकिन तेज धूप से बढ़ी उमस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई का समय आ चुका है। 21 जून से मध्य प्रदेश में मानसून का आगमन हुआ था। जिसके बाद से लगातार भारी बारिश हुई। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में इस वर्ष अच्छी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर से मानसून की विदाई होने लगी है। इन क्षेत्रों में बारिश का अलर्ट नहीं है। हालांकि कुछ जिलों में अभी भी हल्की बारिश होने का अनुमान है। 5 अक्टूबर के बाद ज्यादातर जिलों में बारिश का सिलसिला पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में धूप खिली रही। जिस वजह से उमस बढ़ गई। मौसम विभाग की आंकड़े को देख तो मध्य प्रदेश में अभी तक 37.3 इंच की बजाय 44.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो 18 प्रतिशत ज्यादा है।

44 जिलों में सामान्य से 99 प्रतिशत ज्यादा बारिश

भोपाल, ग्वालियर समेत 44 जिले तो ऐसे हैं, जहां सामान्य से 99 प्रतिशत तक ज्यादा पानी गिरा है। श्योपुर में दोगुनी बारिश हुई है। इस

बार जुलाई और अगस्त में 75 प्रतिशत तक पानी गिर गया। जुलाई में 14.27 इंच बारिश हुई। यह कोटे से 1.78 इंच ज्यादा रही। अगस्त में 14.50 इंच बारिश हुई, जो डेढ़ इंच अधिक रही।

कोंकण में ट्रफ लाइन बन रही

मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक कोंकण में एक ट्रफ लाइन बन रही है। यह मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्वी हिस्से में जाती दिखाई दे रही है। हवाओं में हल्की नमी देखने को मिल रही है और इनका वेग पश्चिम और उत्तर पश्चिम की ओर है। इस कारण से प्रदेश के कई जिलों में हल्के बादल भी दिखाई दे सकते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के उत्तर भारत की तरफ आने के संकेत भी दिए गए हैं।

कल से धीरे-धीरे मानसून विदाई

कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी तो किया गया है। लेकिन मौसम विभाग के मुताबिक 5 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो सकती है। फिलहाल मानसून की मजबूत प्रणाली प्रदेश में सक्रिय नहीं है जिसके चलते बारिश हुई भी तो ज्यादा नहीं होगी। मौसम विभाग ने यह बताया है कि 5 अक्टूबर के बाद प्रदेश से धीरे-धीरे मानसून विदाई लेने लगेगा और सबसे पहले ग्वालियर चंबल से इसकी विदाई का अनुमान जताया गया है।

कांग्रेस का स्पीक अप कैम्पेन पहले ही दिन विवादों में, एफआईआर दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मप्र में बेटियों, महिलाओं के साथ हो रही रेप की घटनाओं के विरोध में कांग्रेस ने गांधी जयंती से बेटी बचाओ अभियान शुरू किया है। इस अभियान के पहले ही दिन स्पीक अप कैम्पेन चलाया गया। इस कैम्पेन में कांग्रेस नेताओं ने वीडियो शेयर कर बेटियों, महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं पर सरकार और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। कांग्रेस का यह अभियान पहले ही दिन विवाद में घिर गया है। एमपी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। मितेंद्र ने गाने को शेयर करते हुए लिखा- मप्र में लाड़ली बहना का एक और गाना, सुनिए और समझिए। इस गाने को लेकर बीजेपी ने आपत्ति जताते हुए भोपाल के क्राइम ब्रांच थाने में शिकायती आवेदन दिया है।

हालांकि, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने विवाद मचने के बाद वीडियो डिलीट कर दिया है। इस बीच पुलिस ने मितेंद्र दर्शन सिंह के विरुद्ध बीएनएस की धारा

353 (2), 356 (2) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

बीजेपी विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा ने भोपाल के क्राइम ब्रांच थाने में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बीजेपी नेताओं की ओर से दिए गए आवेदन में लिखा कि मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने मप्र में सर्वाधिक लोकप्रिय लाड़ली बहना योजना का मजाक उडाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खिलाफ भ्रामक वीडियो अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है। शिकाय में कहा गया है कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ पोस्ट की गई वीडियो में शब्दों का जो चयन किया गया है। वह यह है कि 'घर-घर में खौफ हो'।

यह मप्र की शांति व्यवस्था बिगाडने और आम जन में खौफ पैदा करने का इरादा रखता है। कांग्रेस नेता द्वारा इस वीडियो के जरिए मप्र को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश है। इस वीडियो पर पूरी तरह रोक लगाकर कांग्रेस नेता मितेंद्र सिंह की एक्स आईडी को स्थायी रूप से बंद कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए।

किडनैपर ने नाबालिग का रेप कर 3 लाख में बेचा

भोपाल। मध्यप्रदेश के रीवा जिले की नाबालिग लड़की को पुलिस ने बचा लिया है। लड़की को किडनैप करने के बाद राजस्थान के एक शख्स को बेंच दिया गया था। इस बीच लड़की के साथ लगातार रेप होता रहा। पुलिस ने नाबालिग को राजस्थान से रेस्क्यू किया। साल 2023 में तस्करी के दौरान लड़की की उम्र 15 साल थी, अब वह 16 साल की हो चुकी है। पुलिस ने दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है, बाकी के दो आरोपियों की धरपकड़ जारी है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। साल 2023 में मिसिंग होने की कंप्लेन दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने टीम गठित करके

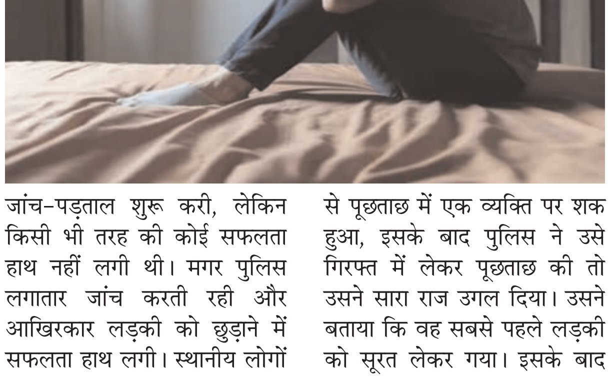

जांच-पड़ताल शुरू करी, लेकिन किसी भी तरह की कोई सफलता हाथ नहीं लगी थी। मगर पुलिस लगातार जांच करती रही और आखिरकार लड़की को छुड़ाने में सफलता हाथ लगी। स्थानीय लोगों से पूछताछ में एक व्यक्ति पर शक हुआ, इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर पूछताछ की तो उसने सारा राज उगल दिया। उसने बताया कि वह सबसे पहले लड़की को सूरत लेकर गया। इसके बाद वहां कुछ दिन रुका। इस दौरान उसने नाबालिग लड़की का रेप भी किया। सूरत में वह दो अन्य आरोपियों से मिला। दोनों उत्तर प्रदेश के फरीदाबाद के रहने वाले थे। इसके बाद तीनों ने मिलकर राजस्थान के जालौर जिले के एक शख्स को नाबालिग लड़की 3 लाख रुपए में बेच दी। इसके बाद वो आदमी लड़की को अपने साथ ले गया और महीनों उसका रेप करता रहा। कोतवाली पुलिस स्टेशन के थाना इनचार्ज जेपी पटेल ने टाइम्स ऑफ इंडिया को इसके बारे में जानकारी दी। जेपी पटेल ने बताया कि हमारी टीम द्वारा लड़की को जालौर से रेस्क्यू किया गया।

मोहल्ले में रहने वाले युवक ने की नौवीं कक्षा की छात्रा से ज्यादती

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में रहने वाली नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को मोहल्ले में रहने वाले युवक ने अंजाम दिया है। बुधवार की शाम पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है। टीआई आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी जहांगीराबाद इलाके के एक मोहल्ले में रहती है तथा नौवीं क्लास की छात्रा है। इसी मोहल्ले में यशवंत नाम का युवक किराए के मकान में रहता है। वह मूलत- सीहोर जिले का रहने वाला है। एक ही इलाके में रहने के कारण दोनों के बीच दोस्ती हो गई। करीब एक साल से वे एक दूसरे को जानते थे। दोनों के बीच जब नजदीकी संबंध हो गए तो एक महीने पहले युवक ने बहला-फुसलाने के बाद किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। इसके बाद बदनामी का डर दिखाकर वह स्कूली छात्रा का शारीरिक शोषण करने लगा। वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था।

मध्यप्रदेश कांग्रेस नवरात्र में कर सकती है नई कार्यकारिणी का गठन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस पार्टी के नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर एक बार फिर से माहौल गर्मा गया है कहा जा रहा है कि नवरात्रि में ही नई कार्यकारिणी की घोषणा हो जाएगी। बताया जा रहा है कि कार्यकारिणी की सूची लेकर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दिल्ली दरबार पहुंचे हैं। वे दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद सूची पर मुहर लगा सकती है। जनकारी के लिए बतादें कि प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष जीतू पटवारी पिछले 9 महीने में अभी तक नई टीम नहीं बना पाए हैं। विधान सभा चुनाव के बाद से लगातार नेताओं

द्वारा मंथन किया जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में एमपी प्रदेश कार्यकारणी की सूची पर मुहर लगेगी। जीतू पटवारी सूची लेकर दिल्ली पहुंचे हैं। प्रदेश कार्यकारिणी का इंतजार लंबे समय से हो रहा है। जीतू पटवारी के दिल्ली दौरे पर जाने से इसकी संभावना बढ़ी है। लोगों को कार्यकारिणी गठन का से इंजातर है। प्रदेश में पहले विधान सभा चुनाव और उसके बाद लोकसभा चुनाव के चलते कार्यकारिणी गठन का मामला लंबित है। अब देखना होगा कि कार्यकारिणी में किसको किसको जगह मिलती है। यह भी चर्चा है कि कार्यकारिणी में सभी नेताओं के समर्थकों का ध्यान रखा गया है। किसी को भी नाराज होने का मौका नहीं मिलेगा। गुट बटे लोगों को भी जगह मिलेगी। हालांकि जीतू पटवारी युवा और महिलाओं को ज्यादा जगह दने के पक्ष में हैं।

सम्पादकीय

लड्डू विवाद कोर्ट की टिप्पणी सभी नेताओं के लिए नजीर

हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शॉर्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच-पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है।

सही मायनों में तिरुपति बालाजी लड्डू विवाद प्रसंग में शीर्ष अदालत की वह टिप्पणी देश के सभी राजनेताओं के लिए एक नजीर बननी चाहिए, जिसमें कोर्ट ने कहा कि आस्था को राजनीति से मुक्त रखना चाहिए। हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शॉर्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच-पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है। कहा जा रहा है कि नायडू ने अपना जनाधार बढ़ाने हेतु विपक्षी राजनेता की छवि धूमिल करने का प्रयास इस विवाद के जरिये किया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नेतागण कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें। खासकर संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिए अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त नाराजगी जाहिर की कि बिना अंतिम जांच व निष्कर्ष के सार्वजनिक रूप से लड्डू विवाद पर टिप्पणी करना न केवल गैर-जिम्मेदार रवैया था बल्कि लोगों की आस्था से खिलवाड़ भी है। वह भी तब जब इस मामले में जांच चल रही थी। वहीं दूसरी ओर अभी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिए जिस चर्बी वाले घी की कथित जांच-परिणामों का दावा किया जा रहा है, उसके बारे में ठीक-ठीक कहना मुश्किल है कि वास्तव में इस घी का ही प्रयोग लड्डू बनाने में किया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद इस पर राजनीतिक क्षेत्रों व सार्वजनिक जीवन में खासा विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि इस विवाद के जरिये घी आपूर्ति करने वाली कंपनी तथा ठेकेदार व मंदिर प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की भागीदारी को विवाद में लाने की कोशिश की गई। जिसके जरिये आंध्रप्रदेश की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कद छोटा करने की भी कोशिश हुई। रेड्डी ने खुलेआम नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिए इस विवाद को तूल देने का आरोप लगाया। यहां तक कि मंदिर में प्रवेश में व्यवधान पैदा करने के मकसद से रेड्डी की धार्मिक आस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। उनसे कहा गया कि वे निर्धारित फॉर्म में अपने धर्म का खुलासा करें। कहने को तो यह विवाद दो राजनीतिक दलों की लड़ाई का है मगर इस विवाद ने देश-विदेश में करोड़ों भक्तों की आस्था पर गहरी चोट पहुंचाई है। निस्संदेह, बालाजी तिरुपति मंदिर पर करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है, इस विवाद को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने से श्रद्धालुओं को खासा कष्ट हुआ। यह विडंबना ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों की धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें कमोबेश सभी राजनीतिक दलों की भूमिका रही है। राजनेता अकसर विभिन्न धार्मिक स्थलों में उपस्थिति का खासा प्रचार राजनीतिक लाभ के लिए करते नजर आते हैं। वे लोगों की आस्था का लाभ अपने निहित स्वार्थों के लिये करते हैं। उन्हें लगता है कि जनाधार बढ़ाने का यह एक छोटा रास्ता है। विडंबना यह भी है कि आस्थावान लोग भी राजनेताओं की अनर्गल बयानबाजी को तर्क की कसौटी पर कस कर देखने से गुरेज करते हैं।

ईरान-इजरायल के बीच ऐलान-ए-जंग के दुनिया पर प्रभाव

हमास और हिजबुल्लाह जैसे आतंकी संगठन अपने प्रभाव वाले इलाके में इजरायल के सामने कमजोर पड़ने लगे तो हौसलाअफजाई के लिए उनके आका ईरान को इजरायल के खिलाफ सामने आना पड़ा। उधर जब अमेरिका भी इजरायल के साथ खुले मैदान में उतर गया, तो अब ईरान के तरफदारी में रूस की घोषणा की ओर सबकी निगाहें जमीं हुईं हैं। वैसे भी इजरायल पर एकाएक बरसीं 200 ईरानी मिसाइलों के बाद अब इजरायली प्रतिक्रिया कितनी भयानक होगी, इस ओर भी पूरी दुनिया की नजर टिकी हुई है।

दुनिया का थानेदार अमेरिका और उसका प्रबल प्रतिद्वंद्वी रूस (पूर्व सोवियत संघ का काबिल वारिस) के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो कुछ भी हुआ, हो रहा है अथवा होगा, वह कोई नई बात नहीं है। क्योंकि अमेरिका-इंग्लैंड की युगलबंदी को संतुलित करने के लिए रूस-चीन का गठजोड़ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रहा है। इसलिए हाल में ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए ऐलान-ए-जंग के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को इसी परिप्रेक्ष्य में जानने-समझने की जरूरत है। समझा जाता है कि जिस तरह से अमेरिका, यूक्रेन की पीठ थपथपा रहा है; ठीक उसी तरह से रूस, अब फिलिस्तीन, लेबनान और ईरान को शह दे रहा है। क्योंकि उसकी स्पष्ट सोच है कि यूक्रेन में अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो की मदद तभी थमेगी, जब वह इजरायल के बचाव में मध्यपूर्व के देशों के साथ सीधे तौर पर उलझेगा। यही वजह है कि जब हमास और हिजबुल्लाह जैसे आतंकी संगठन अपने प्रभाव वाले इलाके में इजरायल के सामने कमजोर पड़ने लगे तो हौसलाअफजाई के लिए उनके आका ईरान को इजरायल के खिलाफ सामने आना पड़ा। उधर जब अमेरिका भी इजरायल के साथ खुले मैदान में उतर गया, तो अब ईरान के तरफदारी में रूस की घोषणा की ओर सबकी निगाहें जमीं हुईं हैं। वैसे भी इजरायल पर एकाएक बरसीं 200 ईरानी मिसाइलों के बाद अब इजरायली प्रतिक्रिया कितनी भयानक होगी, इस ओर भी पूरी दुनिया की नजर टिकी हुई है। ऐसा इसलिए कि ईरान के हमले के बाद भी इजरायल का हिजबुल्लाह पर एक्शन थमा नहीं है। उसने लेबनान के बेरूत के दक्षिणी इलाकों में भीषण हवाई हमले किए। मतलब लेबनान में फिर बमबारी की। ये हमले हिजबुल्लाह के अहम ठिकानों पर किए गए। ईरान के हमले के बाद इजरायल ने दो टूक कहा कि हमारा जवाबी ऑपरेशन प्लान तैयार है। हम तय करेंगे कि जवाब कब देना है। जहां भी और जब भी होगा, हम ईरान पर हमला करेंगे। वहीं, ईरान के सेना प्रमुख ने धमकी दी कि अगर उनके देश पर हमला हुआ, तो वो इजराइल के सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर देंगे। इससे तय है कि बात अभी और बढ़ेगी।

इसलिए पुनः यह सवाल मौजूं है कि आखिर में प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध की भयावह त्रासदी को झेलने के बावजूद समकालीन दुनिया स्थाई शांति की परिकल्पना करने के बजाय तीसरे विश्वयुद्ध की परिस्थितियों को बढ़ावा देने पर क्यों तुली हुई हैं? क्या उनका यह कदम उस लोकतंत्र के मुंह पर करारा तमाचा नहीं है, जो स्वतंत्रता-समानता-बंधुत्व की बात करते हुए नहीं अघाता है।

सही मायने में तो अब संयुक्त राष्ट्र संघ भी दुनियावी विरोधाभाषों को खत्म करने या उन्हें सुलझाने की दृष्टि से पूरी तरह से विफल साबित हो चुका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, शीत युद्ध कालीन करतूतों की बात यदि छोड़ भी दी जाए, तो समकालीन वैश्विक करतूतें यही इशारे कर रही हैं कि हथियारों के सौदागरों को जिंदा रखने के लिए दुनियाभर में जारी छद्मयुद्धों की बजाए रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध जैसे अन्य युद्ध भी बेहद जरूरी हैं। इसलिए हर ओर विरोधाभासों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सच कहूं तो ये वही ताकतें हैं जो भारत-पाक युद्ध, भारत-चीन युद्ध, चीन-ताइवान युद्ध को लंबा चलने देने की परिस्थिति पैदा करने में जब विफल हुईं तो उन्हें अपने ही पड़ोस में नए-नए मोर्चे खोलने पड़े। क्योंकि दुनिया की फैक्टरियों में जब हथियार बनेंगे तो उनके खपत के लायक नित्य नया क्षेत्र चुनने की पहल तो सत्ताधीशों को करनी ही होगी। बहरहाल, अमेरिकन और रूसी नेतृत्व यही कर रहा है। चीनी और भारतीय नेतृत्व भी इसी उधेड़बुन में पड़ा है। आप मानें या न मानें, लेकिन अमेरिका-रूस गुट को आपस में भिड़ाकर और लंबे युद्ध में उलझाकर उन्हें कमजोर होने देने और खुद को दुनिया का नया थानेदार बनाने की जो चीनी चाल है, और उसके दृष्टिगत भारत की जो चुप्पी है, उससे अमेरिका-रूस दोनों की घिग्गी बंधी हुई है। शायद भारत भी चीन को पछाड़कर यही मंसूबा पाले हुए है।

भले ही मुस्लिम आतंकवाद कभी अमेरिकी-ब्रिटिश एजेंडा रहा हो, लेकिन अब रूस-चीन गठबंधन भी इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर तेल के खेल में अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो को पटखनी देने की रणनीति अख्तियार कर चुका है। जिसका साइड इफेक्ट्स आज इजरायल झेल रहा है और कल भारत के समक्ष भी इजरायल वाली परिस्थिति को पैदा किया जा सकता है, यदि उसका ज्यादा झुकाव अमेरिकी गुट की तरफ हुआ तो। मसलन, पश्चिमी एशिया व मध्यपूर्व एशिया समेत दुनिया के इस्लामिक देशों और इसके कतिपय आतंकी शासकों का दुर्भाग्य यह है कि तेल से अर्जित समृद्धि का सदुपयोग वह अपने मुल्क के नागरिकों को ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के बजाए उन्मुक्त उपभोग, धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद की भावना को पैदा करके उसको निर्यात करने में लगा दिया। क्योंकि उनके अंतर्राष्ट्रीय पॉलिटिकल बॉस को यही पसंद है। इससे इजरायल और भारत जैसे देशों की परेशानी बढ़ी, लेकिन वो यह भूल गए कि प्रकृति वही लौटाती है, जो हमलोग बांटते हैं।

यही वजह है कि चाहे अमेरिका हो, रूस हो, चीन हो, या बड़े इस्लामिक मुल्क, जब प्रकृति उन्हें छद्मयुद्ध, युद्ध और आतंकवाद की सौगात वापस करने लगी है तो अब ये देश उसे संभालने-झेलने में असमर्थ ही नहीं हैं, बल्कि भौचक्के भी रह जा रहे हैं। आपको ईरान-इराक युद्ध याद होगा। ईरान-अमेरिकी जंग भी याद होगी। तालिबान (अफगानिस्तान)-अमेरिका युद्ध ज्यादा पुरानी बात नहीं हुई है। अमेरिका और सीरिया के बीच जो कुछ हुआ, या हो रहा है, वह सभी जानते हैं। जानकारों के मुताबिक, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक या मध्यपूर्व के देशों में अमेरिकी रणनीति यदि विफल हो रही है, तो उसके पीछे रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। आज यदि अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे बड़े मुल्क इस्लामिक आतंकवाद व कट्टरता की चपेट में हैं, तो इसके पीछे भी रूसी-चीनी अंतर्राष्ट्रीय शह ही है।

दिलचस्प बात तो यह है कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी रणनीति बदली है और खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाया है, इसलिए वह अब अंतर्राष्ट्रीय सत्ता संतुलन का केंद्र बन चुका है। भारत भी अब हथियारों के सौदागरों की टीम में शामिल होने को बेताब है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चीनी चाल के दृष्टिगत ही भारत सरकार सोच-समझकर कोई कदम उठाती है। इसलिए अब दुनिया की धड़कन इस बात को सोचकर बढ़ रही है कि यदि तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हुआ तो भारत किधर होगा? क्या वह तीसरी दुनिया के देशों के साथ तटस्थ रहेगा, या फिर रूस से अपनी पुरानी यारी और अमेरिका से अपनी नई यारी निभाएगा! यही नहीं, जब दुनिया में महंगाई बम फूटेगा, तो उस स्थिति को भारत कैसे संभालेगा। वैसे तो ईरान और इजरायल दोनों भारत के करीब हैं, लेकिन इजरायल और भारत का उद्देश्य एक है-आतंकवाद का समूल सफाया। शायद यह होने का असली वक्त भी अब आ रहा है। भारत की रणनीति साफ होनी चाहिए कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद को खत्म किया जाए। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान आदि द्वारा प्रोत्साहित आतंकवाद जितनी जल्दी कुचला जाएगा, दुनिया उतनी जल्दी ही चैन की सांस ले सकेगी। इधर ईरान-इजरायल के बीच जंग के आसार के चलते कच्चे तेल में भी तेजी देखने को मिल रही है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने के आसार प्रबल हैं। इस हमले के बाद से कच्चे तेल के दामों में 4 फीसदी की तेजी आ गई है। ऐसे में दुनियाभर में महंगाई फिर से बढ़ने के आसार प्रबल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मिसाइल हमले से जुड़ी बातों के बीच गत 1 अक्टूबर मंगलवार को ही क्रूड ऑयल का भाव बढ़ गया। ब्रेंट वायदा 3.5त्न बढ़कर 74.2 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 2.54 डॉलर या 3.7त्न बढ़कर 70.7 डॉलर हो गया।

कहना न होगा कि दुनियाभर में कच्चे तेल में होने वाले उतार-चढ़ाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर प्रभावित होती है। जबकि युद्ध से ग्लोबल सप्लाई चैन भी टूट जाती है। ऐसे में आयात और निर्यात की गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं, जिससे महंगाई बढ़ने लगती है। पिछले साल रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भी ऐसा ही हुआ था, जब रूस के यूक्रेन पर अटैक के बाद ग्लोबल सप्लाई चैन बुरी तरह से प्रभावित हुई थी। वहीं, कच्चे तेल के दामों में भी जबरदस्त तेजी आई थी। वहीं, इस जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर शेयर बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। निफ्टी और डाओ फ्यूचर्स समेत कुछ देशों के मार्केट लाल निशान के साथ कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में यदि यह जंग और बढ़ी तो कच्चे तेल में बढ़ोतरी से कई चीजें महंगी हो सकती हैं, जबकि शेयर बाजार में ऑयल स्पेसिफिक स्टॉक पर तगड़ा असर देखने को मिल सकता है। कच्चे तेल में तेजी से ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी जैसे- ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के शेयरों में तेजी आने की संभावना है। वहीं, पेंट और टायर शेयरों में गिरावट देखने को मिल सकती है। क्योंकि, इन कंपनियों की निर्भरता क्रूड पर होती है। ऐसे में क्रूड महंगा हुआ तो इन कंपनियों की इनपुट कॉस्ट बढ़ सकती है।

पुलिसिया मुठभेड़ों के कुछ दुखद मायने

एक पुरानी कहावत है - युद्ध इतनी महत्वपूर्ण गतिविधि है कि उसे पूरी तरह से जनरलों पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसी कहावत को थोड़ा बदलकर ऐसे भी कह सकते हैं कि किसी समाज की शांति व्यवस्था सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। विधि द्वारा स्थापित दूसरी संस्थाएं भी अपनी-अपनी भूमिकाएं निभाती चलती हैं, तब जाकर किसी सभ्य समाज में कानून का शासन या ह्यरूल ऑफ लॉह्न कायम होता है। यह कहना अनुचित न होगा कि कोई समाज सभ्य कहलाने का तभी हकदार हो सकता है, जब वहां कानून का शासन हो। इस कसौटी पर यदि हम भारत को कसें, तो क्या उसे एक सभ्य समाज कह सकते हैं?

आजादी के बाद कुछ ही वर्षों में यह स्पष्ट हो गया कि हमारी न्यायिक प्रक्रिया, जिसके महत्वपूर्ण अंग भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इंडियन एविडेंस ऐक्ट) थे, बदली परिस्थितियों में न्याय देने में पूरी तरह से असफल सिद्ध हो रहे हैं। अदालतों में न्याय न मिल पाने या एक लंबी और उबाऊ प्रक्रिया के बाद आधा-अधूरा इंसाफ हासिल होने के चलते जनता ने शीघ्र ही त्वरित न्याय के दूसरे विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य से यह दूसरा विकल्प बहुत भयानक था। यह विकल्प गैर-कानूनी तरीकों से अपनी पसंद का न्याय हासिल करना था। न्याय का यह रास्ता सरकारी और गैर-सरकारी अपराधियों की गली से गुजरता था। पहले गैर-सरकारी अपराधियों की बात कर लें।

यह एक आम जानकारी का विषय है कि कुछ आर्थिक अपराधों में त्वरित न्याय दिलाने में अपराधी सबसे अधिक कारगर सिद्ध होते हैं। न्याय दिलाने वाला यह चैनल पेशेवर अपराधियों का भी हो सकता है और कई बार इसमें जज कोई बाहुबली जननायक ही होता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में एक दर्जन से अधिक बाहुबली सांसदों और विधायकों के नाम गिनाए जा सकते हैं, जो अपने यहां दरबार लगाकर इंसाफ करते रहे हैं और लोग उनके त्वरित न्याय के बाद उनकी जय-जय करते घर जाते हैं। इन 'अदालतों' में जो मसले सुलझाए जाते हैं, उनमें मुख्य रूप से लेन-देन और किराएदारी के मामले होते हैं। अगर आप मकान मालिक हैं और किरायेदार के साथ विवाद में हैं, तो अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद ही आपकी समझ में आ जाता है कि न्याय हासिल करने में आपकी कई पीढ़ियों को इंतजार करना पड़ सकता है, लिहाजा ज्यादा सरल है किसी बाहुबली की शरण में जाया जाए। सालों कचहरी जाने में आपका जितना समय, श्रम और धन खर्च होगा, उससे बहुत कम में बाहुबली के दरबार में आपको अपने पक्ष में फैसला मिल जाएगा। यही कहानी लेन-देन के मामलों में भी दुहराई जाती है। मेरे लिए यह हमेशा रहस्य रहा कि सब कुछ जानते हुए भी अलग-अलग समय पर सत्ता में आने वाले राजनीतिक दलों ने कानून में ऐसे सुधार क्यों नहीं किए, जिनसे न्याय हासिल करने के लिए नागरिकों को अदालतों के बाहर न झांकना पड़े। न्याय दिलाने के इन गैर-सरकारी चैनलों के मुकाबले एक सरकारी चैनल ज्यादा खतरनाक है, जिसे काफी हद तक सामाजिक स्वीकृति के साथ हमारे शासक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते आ रहे हैं। दुर्भाग्य से हमारी सरकारें खुद ही पुलिस नामक संस्था को कानून कायदों की धज्जियां उड़ाने वाले संगठित गिरोह की तरह उपयोग करती रही हैं। उन्होंने अपनी इस अक्षमता को छिपाने के लिए कि वे नागरिकों को सस्ता और त्वरित न्याय नहीं दिला पा रही हैं, एक शॉर्टकट रास्ता अपना रखा है। यह रास्ता दुर्भाग्य से असभ्य और बर्बर पगडंडियों से होकर जाता है। यह रास्ता है पुलिस को विवेचक, जज और जल्लाद, तीनों में तब्दील कर उनसे अपराधियों का हाथ-पैर तुड़वाने से लेकर उन्हें मार डालने तक का काम करवाने का। मजेदार तथ्य यह है कि इस बर्बरता को सामाजिक स्वीकृति हासिल है। इसे समझने के लिए एक उदाहरण काफी है। कुछ वर्षों पूर्व हैदराबाद में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार व हत्या की घटना हुई और स्वाभाविक था कि जनता इसके खिलाफ उबल पड़ी और सड़कों पर निकल आई। हैदराबाद पुलिस ने चौबीस घंटों में मामला सुलझा लिया और चारों हत्यारों को पकड़ लिया, पर इससे किसी को संतुष्टि नहीं मिली, फलस्वरूप पुलिस ने चारों को रात के अंधेरे में जेल से निकाला और एक ऐसी मुठभेड़ में मार डाला, जो प्रथम दृष्टया ही फर्जी लगती है। बजाय इस जघन्य हत्या के खिलाफ आंदोलित होने के जनता ने उसमें शरीक पुलिसकर्मियों पर फूल बरसाए और उनकी जय जय कार की। पिछले तीन महीनों में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में कुछ ऐसी पुलिस मुठभेड़ें हुई हैं, जो इस प्रवृत्ति के चिंताजनक हद तक पहुंच जाने की द्योतक हैं। सरकारें न्यायिक प्रणाली को सुदृढ़ कर उन्हें इतना सक्षम बनाने का प्रयास करने से ज्यादा आसान समझ रही हैं कि अपराधियों को पुलिस के जरिये मरवा दें या कम से कम उन्हें अपंग ही कर दें। बदलापुर (महाराष्ट्र) में हुई मुठभेड़ पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कुछ असुविधाजनक प्रश्न पूछे हैं, पुलिस को उनके जवाब देने होंगे। अभी तक का अनुभव तो यह बताता है कि ऐसे प्रश्न सिर्फ मीडिया की जीनत बनते हैं और आखिरी फैसले में उनको ढूंढ़ना किसी मृग मरीचिका सा ही होता है। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार क्या होगा? उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर की हालिया दो मुठभेड़ों में तो जाति का कोण भी छिपा है, ऐसे आरोप लगाए गए।

किसी समाज में कानून का शासन न होने के क्या नतीजे हो सकते हैं, इसे भारतीय संदर्भ में बड़ी अच्छी तरह से समझा जा सकता है। दुनिया की पांचवीं और तीसरी की दहलीज पर खड़ी अर्थव्यवस्था वाले हमारे देश से हर वर्ष लगभग 25 लाख नागरिक अपना पासपोर्ट लौटाकर विदेशी नागरिकता स्वीकार कर रहे हैं। यह तो वैध तरीकों से देश छोड़ने वालों की संख्या है, इसमें यदि अवैध तरीकों से बाहर जाने वालों की तादाद भी जोड़ ली जाए, तो यह काफी बढ़ जाएगी। इनमें सिर्फ रोजगार की तलाश में प्रवसन करने वाले ही नहीं हैं, बहुत से ऐसे समर्थ भी हैं, जिनका दूसरे मुल्क इसलिए स्वागत करते हैं, ताकि उन्हें रोजगार दे सकें। क्यों इतने लोग अपनी मातृभूमि छोड़ने को बेताब हैं? बहुत से कारण हो सकते हैं, पर निश्चित रूप से एक कारण हमारे यहां ह्यरूल ऑफ लॉह्न का अभाव है। सरकारों को समझना होगा कि कानून का शासन पुलिस को संगठित अपराधियों का गिरोह बनाकर नहीं, बल्कि एक सक्षम, किफायती और नागरिक मित्र

पश्चिम एशिया में बदले की बेरहम बयार

मंगलवार की देर शाम ईरान का इजरायल पर मिसाइल हमला करना कई आशंकाओं को आधार दे रहा है। इजरायल ने बेशक ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को अपने मित्र देशों की मदद से हवा में ही नष्ट कर दिया, जिसके कारण उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उसमें दहशत तो फैली ही। यही कारण है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तत्काल इस हमले का बदला लेने का एलान कर दिया। ईरान का कहना है कि उसने यह कदम हमास नेता इस्माइल हानिये और हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए उठाया है और अब अगर इजरायल की तरफ से कोई सैन्य कार्रवाई होती है, तो जंग भड़केगी।

यहां दो घटनाओं का जिक्र आवश्यक है। पहली, अप्रैल, 2024 में ईरान ने ड्रोन व मिसाइलों द्वारा इजरायल पर हमला बोला था और उस वक्त भी उसे नुकसान ज्यादा नहीं हुआ, क्योंकि इजरायल ने उनको मार गिराया था। ईरान का कहना था, यह हमला उसने सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के बदले में किया था, जिसमें 15 से अधिक ईरानी कर्मचारियों की मौत हुई थी। दूसरी घटना, जनवरी 2020 की है, जब अमेरिका ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या कर दी थी। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने मिसाइलों के जरिये इराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला बोला था, जिसके बाद मामला शांत हो गया था। तब बेशक तनाव के बादल छंट गए थे, लेकिन इस वक्त क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय तस्वीर बदली हुई है।

एक बड़ा बदलाव तो यही है कि इजरायली प्रधानमंत्री अब आक्रामक नीति अपना रहे हैं। इसकी वजह यही है कि उन पर पिछले कई महीनों से घरेलू राजनीति का दबाव तो है ही, गाजापट्टी पर हमले के बाद, जिसमें 40 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, उन पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी काफी अधिक बढ़ गया है। उन्होंने घोषणा की है कि ईरान के दोनों छद्म गुट- हमास और हिजबुल्लाह का सफाया होकर ही रहेगा। हिजबुल्लाह के खिलाफ तो कई हफ्तों से इजरायल का आक्रमण जारी है। पहले पेजर-वॉकीटॉकी विस्फोट से इजरायली खुफिया एजेंसियों ने हिजबुल्लाह के संचार तंत्र को ध्वस्त किया और फिर नसरल्लाह के साथ-साथ कई हिजबुल्लाह नेताओं को मौत के घाट उतार दिया। लगता यही है कि नेतन्याहू की महत्वाकांक्षा अब हमास या हिजबुल्लाह तक ही सीमित नहीं रह गई है। 1 अक्तूबर के अपने टीवी संदेश में उन्होंने ईरान की जनता को उनके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ उकसाया और अपील की कि वे अयातुल्ला सरकार को पलटकर एक नई सरकार बनाएं और आधुनिक ईरान की बुनियाद रखें। उल्लेखनीय है कि ईरान में एक तबका है, जो अयातुल्ला सरकार से संतुष्ट नहीं है और ईरान का आधुनिकीकरण चाहता है। हालांकि, ऐसा कोई सुबूत भी नहीं है कि ईरान किसी क्रांति के लिए तैयार है। बहरहाल, सवाल यही है कि अब आगे क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस पर चिंतन करेगी ही और यह अनुमान स्वाभाविक है कि वह इजरायल और ईरान, दोनों से शांति की अपील करेगी। सच यह भी है कि दुनिया की महाशक्तियां महायुद्ध नहीं चाहतीं। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में उलझा हुआ है और रूस फिलहाल यूक्रेन मोर्चा पर ही सिमटे रहना चाहता है। रही बात चीन की, तो वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में लगा है। अरब देशों, विशेषकर खाड़ी के मुल्कों की तरफ से भी कोई आक्रामक बयान नहीं आया है और लगता यही है कि वे भी जंग के पक्ष में नहीं हैं। भारत भी शांति ही चाहता है और चंद दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतन्याहू से बात करके यही संदेश दिया था कि बातचीत की मेज पर समस्याओं का हल निकालना चाहिए। यानी, अब फैसला नेतन्याहू को लेना है। हमें यह भी देखना होगा कि उन पर घरेलू राजनीति का दबाव कितना बढ़ता है।

वैसे, ईरान के पास भी कई रास्ते हैं स्थिति को भड़काने के। वह इजरायल पर ही निशाना नहीं लगाए। हो सकता है कि पश्चिम के देशों को दबाव में लाने के लिए खाड़ी के पश्चिमी हिस्से में भी वह कार्रवाई करे, जिसकी वजह से तेल के बाजार पर असर पड़ेगा। यदि ऐसा हुआ, तो उसका सीधा असर विश्व की आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगा, जो कोई नहीं चाहेगा।

यहां यह भी याद रखना चाहिए कि 7 अक्तूबर को इजरायल पर हमास के हमले की बरसी है। पिछले साल इसी दिन हमास के लड़ाकों ने इजरायल में दाखिल होकर 1,200 इजरायलियों को मौत के घाट उतार दिया था और कई विदेशी नागरिकों सहित 250 लोगों को बंधक बना लिया था। अनुमान है कि 100 के करीब बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं और अमेरिका, कतर व मिस्र पूरी कोशिश में हैं कि हमास और इजरायल के बीच कोई समझौता हो जाए, लेकिन ऐसा अब तक नहीं हो सका है। जाहिर है, 7 अक्तूबर की तारीख जैसे-जैसे निकट आती जाएगी, इजरायल के घाव वैसे-वैसे हरे होते जाएंगे। यह भी स्वाभाविक है कि गाजापट्टी के लोगों में, जिनमें से 40 हजार की मौत बीते एक साल में इजरायली जवाबी प्रतिक्रिया में हुई है, आक्रोश बढ़ेगा।

गुलुआ में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन गांधी जयंती के अवसर पर किया गया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत गुलुआ में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बाल लोग विशेषज्ञ डॉक्टर योगेश शुक्ला द्वारा बच्चों की जांच की गई एवं स्थिति के अनुसार उन्हें दवाइयां दी गई साथ ही चिकित्सा शिविर में रक्तचाप एवं शुगर से संबंधित परामर्श एवं आवश्यक सावधानियों के विषय में बताया गया, इस निशुल्क चिकित्सा शिविर के आयोजन के समन्वयक श्री शंकरदीन सिंह फौजी, श्रीमती सीमा संजय प्रजापति ग्राम पंचायत सरपंच एवं भूपेंद्र सिंह पूर्व सरपंच ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जिसके बदौलत एक ग्राम पंचायत स्तर में निशुल्क बाल स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में अधिक से

अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

मैहर नवरात्रि मेला प्रारंभ, मां शारदा के दर्शन के लिए उमड़े भक्त

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, गुरुवार से शक्ति आराधना के विशेष पर्व नवरात्रि का शुभारंभ हो गया। इसी के साथ मैहर में भी दिवसीय शारदीय नवरात्रि मेले का भी श्री गणेश हो गया। नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को मैहर के त्रिकूट पर्वत पर विराजों विद्या और बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ा। पहले दिन माता रानी के दर्शन के लिए देश भर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने रात से ही लंबी कतारें लगा लीं। मातारानी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। ब्रह्म मुहूर्त में तड़के साढ़े 3 बजे माता शारदा मंदिर के पट खुलने पर पंडित पवन महाराज ने जगजननी की आरती उत्तारी और फिर श्रद्धालुओं ने मातेश्वरी के चरणों में अपनी आस्था समर्पित कर मत्था टेका। भक्तों ने पूजा अर्चना कर माता शारदा से कृपा वृष्टि की प्रार्थना की और दर्शन लाभ लेकर पुण्य अर्जित किया। रोप वे के अलावा सीढ़ियों से भी पहुंच रहे मक्त: विन्नय पर्वत श्रृंखला के त्रिकूट पर्वत पर मैहर में विराजी माता शारदा की चौखट पर शीश नवाने देश के कोने कोने से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऊंचे पर्वत पर विराजमान माता की ड्योढ़ी तक पहुंचने के लिए रोप वे की भी व्यवस्था है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उसके जरिए दर्शन करने जा रहे हैं लेकिन 1063 सीढ़ियां चढ़कर मातारानी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचने वालों की भी संख्या कम नहीं है। मान्यता - यहीं गिरा या माता सती के गले का हार-मैहर में स्थित माता शारदा मंदिर को शक्ति पीठों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि देवी सती के गले का हार मैहर में इसी

स्थान पर गिरा था जिसके कारण इसे माई का हार कहा जाता था। कालांतर में यही मैहर ही गया। एक मान्यता यह भी है कि यहां सबसे पहले बुंदेली बोर आल्हा ऊदल पूजा करने आते हैं। वे माता के बहुत बड़े भक्त थे। मातारानी के पट खुलने पर यहां आज भी फूल चढ़े हुए पाए जाते हैं। मंदिर के पीछे आल्हा तलैया आज भी मौजूद है। प्रशासन पुलिस ने किए है पुख्ता इन्तआम: मैहर में नौ दिनों तक चलने वाले मैहर शारदीय नवरात्रि मेले के लिए प्रशासन एवं पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने 12 कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है और सभी के साथ सहायक भी तैनात किए हैं। मेला में सुरक्षा के लिए 2 एडिशनल एसपी, 4 डीएसपी तथा 12 इंस्पेक्टरों समेत 650 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। बालेंटियर्स तथा होमगार्ड के जवान भी तैनात किए गए हैं। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन कैमरे भी लगाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पानी, प्रसाधन तथा चिकित्सा सेवा की व्यवस्था की गई है। खोया पाया केंद्र बनाया गया है

और उद्घोषणा का प्रबंध किया गया है। 14 ट्रेनों का स्टॉपेज स्टेशन में अतिरिक्त टिकट काउंटर मैहर में नवरात्रि मेले के मद्देनजर रेलवे ने भी दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए इंतजाम किए हैं। मेला स्पेशल ट्रेनों और नियमित यात्री गाड़ियों के अलावा 14 अन्य गाडियों के लिए भी मैहर में 5 मिनट का स्टॉपेज तय किया गया है। स्टेशन में अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं और अतिरिक्त फोर्स भी तैनात की गई है।

कलेक्टर के आदेश का पालन करें, वीआईपी व्यवस्था जारी है के मां शारदा मंदिर में जाने बने रोप वे मैहर कलेक्टर रानी वाटड के आदेश ठेंगा दिखाया जा रहा है। कलेक्टर ने शारदेय नवरात्रि मेला के दौरान वीआईपी सुविधा पर प्रतिबंध लगा रखा है। लेकिन रोप वे सहित मंदिर में वीआईपी व्यवस्था चालू है कुछ लोगों को किसके आदेश से वीआईपी सुविधा दी जा रही है यह समझ से परे है। उधर पैसे देने के बाद भी आम जनता भीड़ में धक्के खाते नजर आ रही है। रोपवे के पूरे पैसे देने के बाद भी आम जनता का यह हाल है, जो चाक चौबंद व्यवस्था के बड़े बड़े दावों की पोल खोल रही है। प्रशासन की बात सिर्फ मुंह जुबानी, दूर दराज से आम श्रद्धालुओं जी दिक्कत उसके लिए कौन जिम्मेदार है भक्तों ने वीआईपी व्यवस्था पर कैमरे के सामने विरोध जताया है।

मामा की लाडो हिन्दी फीचर फिल्म का आफीशियल पोस्टर, ट्रेजर हुआ लांच

18 अक्टूबर को आयेगी मामा की लाडो मूवी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, 2 अक्टूबर को शहर के करही स्थित रामाकृष्णा कॉलेज कैम्पस में मामा की लाड़ो हिन्दी फीचर फिल्म का आफीशियल ट्रेजर पोस्टर व गाना लांच हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतना सांसद गणेश सिंह, विशिष्ट अतिथि महापौर योगेश ताम्रकार, भाजपा जिला अध्यक्ष शतीश शर्मा, पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी, चेम्बर अध्यक्ष शतीश सुखेजा, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी, जिला संयोजक झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ रामबाबू त्रिपाठी, सुभाष शर्मा डोली, रामाकृष्णा कॉलेज के संचालक शास्वत पुरी, जनपद सदस्य विनोद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार अशोक शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार निरंजन शर्मा सहित फिल्म मामा की लाड़ो में मुख्य भूमिका निभाने वाली अंजली पयासी, दीपक त्रिपाठी, रोहित पाण्डेय, उत्तम केवट, मनीष तोमर व सैकड़ो युवा चेहरे कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में हमारे विंध्य के सभी इन्प्लूएनसरों के साथ-साथ पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद गणेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे विध्य क्षेत्र के

लिए गर्व की बात है कि हमारे क्षेत्र के कलाकार अपने प्रतिभा का प्रर्दशन कर रहे हैं। सभी कलाकरों को हमारे ओर से बधाई एवं आगामी 18 अक्टूबर को ज्यादा से ज्यादा लोग मामा की लाड़ी फिल्म देखने के लिए थियेटर में पहुंचे। सेवा बस्ती के गरीब बच्चों को 500 टिकट देने की महापौर ने की घोषणा कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में विराजमान सतना महापौर योगेश ताम्रकार ने सेवा बस्ती के गरीब बच्चों को आगामी 18 अक्टूबर को मामा की लाडो फीक्रर देखने के लिए 500 टिकट देने की घोषणा की। साथ ही मामा की लाड़ी फिल्म के डायरेक्ट प्रोड्यूसर कैलाश पचासी को इस प्रयास के लिए बधाई दी।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को टिकट के लिए की घोषणा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम के दौरान में अपने उद्बोधन में मामा की लाड़ो फिल्म की प्रशंसा करते हुए कहा कि विंध्य के कलाकारों के लिए गौरव की बात है। इस मौके पर नरेन्द्र त्रिपाठी ने सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले बच्चों को फिल्म देखने के लिए टिकट देने की घोषणा की। अपील फिल्म के डायरेक्टर प्रोड्यूसर कैलाश पयासी ने कहा कि यह फिल्म नारी शसक्तीकरण और मध्यप्रदेश के टूरिज्म को उच्चतम सम्मान दिलाने वाली फिल्म है। इस फिल्म में सभी कलाकार विंध्य के है। इस फिल्म में संदेश दिया गया है कि हमें अपनी लाडली बेटियों को न केवल किताबी ज्ञान में मजबूत करना है। बल्कि ताईकान्ड, करटे, तलवारवाजी विद्याओं में शामिल कर उन्हें शारीरिक रूप से भी सबल बनाने का प्रयास करना है। यह फिल्म समाज में एक नई चेतना लाने वाली फिल्म है। समाज के प्रत्येक जाति धर्म के लोगों से अपील है कि आप सभी अपने प्रदेश के युवा कलाकारों को बढ़ावा देने आगामी 18 अक्टूबर को अपने नजदीकी सिनेमा घरों तक सपरिवार अवश्य पधारे। साथ ही अपने 12 से 18 वर्ष की लाडली बेटियों को जरूर लायें।

कजंई सरपंच ने कमिश्नर से कि भेंट व कराया अनेकों समस्याओं से अवगत

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई के सरपंच आनंद बिसेन प्रवास पर जबलपुर गये हुए थे जहां उन्होंने जबलपुर संभाग के कमिश्नर अभय वर्मा से सौजन्य भेंट कर क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराते हुए समस्या का निराकरण कि बात जनहित में रखी गई है। जानकारी देते हुए ग्राम सरपंच आनंद बिसेन ने बताया कि 3 अक्टूबर दिन गुरुवार को आज जबलपुर उच्च न्यायालय प्रवास के दौरान संभाग के कमिश्नर अभय वर्मा से सौजन्य भेंट कर जिले के किसानों के सोसाइटी में धान उपार्जन के पंजीयन की तिथि 4 अक्टूबर से बढ़ाने की मांग रखी,साथ ही ग्रामीण महत्वपूर्ण मजदूरों की और ग्राम विकास की योजना मनरेगा को लेकर ग्राम पंचायत ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम विकास कार्यों में पंचायत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को हो रही समस्या के बारे में चर्चा की और किसानों को सिंचाई के लिए 18 घंटे पर्याप्त बिजली दिए जाने की मांग की है साथ ही मुख्य सड़क राज्य मार्ग बालाघाट सिवनी पर पड़े बड़े-बड़े

गढ़ों को शीघ्रता से जनता के परिवहन और हो रही दुर्घटना को रोकने हेतु भरवाने और रोड को ठीक करवाने की आवश्यकता जताई है और बालाघाट सिवनी जिले के प्रवेश द्वार अपने ग्रह ग्राम के विकास कार्यों को देखने भ्रमण के लिए सादर आमंत्रित किया इस पर कमिश्नर अभय वर्मा ने सभी जनहित की मांगों को गंभीरता से लेते हुए अतिशीघ्र किए जाने हेतु हमको आस्वसथ किया है और किसानों के धान पंजीयन की तिथि 10 अक्टूबर तक बढ़ाने हेतु भी पूर्णतया संभावना जताई है।

आमाडाड: परिवार पर जानलेवा हमला....पुलिस में मामला दर्ज

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, आमाडाड गांव में एक परिवार पर जानलेवा हमला होने की घटना सामने आई है, जिसमें कई सदस्यों को चोटें आई हैं। मामला 1 अक्टूबर 2024 का है, जब एक युवक और उसके दोस्त पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, जहां उन पर भी हमला किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाद के समय हुआ हमला रिपोर्ट के अनुसार, एक युवक अपने दोस्त के साथ किसी विशेष अवसर पर जा रहा था। रास्ते में उन्होंने अपनी एक मित्र के घर पानी पीने के लिए रुकने का फैसला किया। इसी दौरान, कुछ स्थानीय निवासियों के बीच विवाद हो गया, जिसने जल्द ही मारपीट का रूप ले लिया।

परिवार की मदद के लिए पहुंचे सदस्य जब परिवार के अन्य सदस्य घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उनके परिजनों के साथ मारपीट हो रही है। मौके पर भारी भीड़ थी, और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

हमलावरों द्वारा गाली-गलौच और मारपीट स्थानीय निवासी ने गाड़ी से उतरकर विवाद में शामिल हो गए और अपशब्द कहने लगे। जब परिवार के सदस्यों ने इसका विरोध किया, तो हमलावरों ने उन पर भी हमला किया। महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया और सभी को गंभीर चोटें आईं।

चोटों की गंभीरता हमले में कुछ सदस्यों को चोटें आई हैं, और उन्हें इलाज की आवश्यकता है। घटना के बाद परिवार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें आवश्यक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस कार्रवाई और ग्रामीणों की प्रतिक्रिया पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी शुरू की है। स्थानीय समुदाय ने इस हमले की निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

कांग्रेस कमेटी ने मनाई महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री कि जयंती

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, नगर मुख्यालय में स्थित शासकीय विश्राम ग्रह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों द्वारा 2 अक्टूबर दिन बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी कि जयंती मनाई गई है। वहीं इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा दोनों महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से भाउराम गाढेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,देवेश विक्की गौतम जनपद पंचायत सदस्य, ओमप्रकाश बिसेन चेयरमैन औल्याकन्हार फिजिकल क्लब व सरपंच प्रतिनिधि औल्याकन्हार,दीपक तोमर, सुनील अवधिया,गोलू ब्रम्हें, इकबाल भाई, दिनेश ठाकुर पुर्व सरपंच,सतानंद दमाहे पुर्व सरपंच, प्रशांत चन्द्रवार, मुकेश खरे, दुलीचंद सेलोकर सहित अन्य सभी कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं। वहीं कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष भाउराम गाढेश्वर ने कहा कि सत्य सौहार्द व अहिंसा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं जय-जवान जय किसान का नारा बुलंद करने वाले पुर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने हमें विश्व को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। उन्होंने विश्व को यह बताया कि सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलकर बड़ी से बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है।

कजंई में मनाई गई महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री कि जयंती

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई के पंचायत भवन में 2अक्टूबर दिन गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी व लालबहादुर शास्त्री जी कि जयंती मनाई गई जिसमें प्रमुख रूप से एड. आनंद बिसेन सरपंच उपस्थित रहे इनकी प्रमुख उपस्थिति में कार्यक्रम कि शुरुआत हुई जिसमें सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम कि शुरुआत हुई। जिसमें ग्राम सरपंच आनंद बिसेन ने महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी कि जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात उपस्थित लोगों के समक्ष रखी तत्पश्चात ग्राम सरपंच कि अध्यक्षता में व ग्राम पंचायत के पंचों व ग्रामीण जनों के उपस्थिति में ग्राम सभा व मासिक

बैठक का आयोजन किया गया जिसमे शासन के निर्देशानुसार ग्रामसभा एजेंडा का वाचन पंचायत सचिव होमेश्वर ठाकरे द्वारा किया गया। साथ ही ग्राम सभा अध्यक्ष सरपंच के आदेशानुसार ग्राम विकास हेतु विभिन्न कार्यों पर चर्चा व प्रस्ताव लिए गए, जिसमे स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मुख्य रूप से वार्ड नं 12 व 13 में सीसी नाली,नाडेप टाको सफाई, व अन्य स्थलों की साफ़ सफ़ाई को लेकर चर्चा कर बैठक संपन्न हुई। साथ ही ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा ग्राम के दिवंगत आत्मा स्व श्रीमति जयवंता बाई/दीपलाल पटले,भूलन बाई/धरमलाल पटले के मृत आत्माओं की शांति हेतु मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर मृतकों के परिवार के मुलाकात कर उनका हौशला अफजाई किया वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से ग्राम के सभी पंच गण व ग्रामीण जन उपस्थित रहे हैं।

हिंदुस्तान पावर लिमिटेड जैतहरी ने मंत्री तथा जिला प्रशासन के पत्र को लिया संज्ञान

जल्द बनेगा कोतमा से निगवानी गढ़ी मार्ग - मंत्री दिलीप जायसवाल

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल वा कोतमा अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा हिंदुस्तान पावर लिमिटेड जैतहरी को पत्र देकर अवगत कराया था कि कोतमा से निगवानी मार्ग में गढ़ी कोतमा में पत्थर की रिक्त पड़ी खदान पर फ्लाई ऐश का भराव का कार्य किया जा रहा है जिसके कारण मार्ग कहीं-कहीं पर क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण आम जनमानस को आवागमन में असुविधा होता है। जिसे तत्काल रूप से मार्ग को दुरुस्त कराया जाए जिससे होने वाली असुविधा से लोगों को निजात मिल सके।

हिंदुस्तान पावर लिमिटेड जैतहरी ने पत्र को लिया संज्ञान में ड्ढ हिंदुस्तान पावर लिमिटेड जैतहरी मुख्य परिचालन अधिकारी आनन्द देशपांडे पत्र को संज्ञान में लेते हुए पत्र जारी किया है कि पत्र क्रमांक एमबीपीएमपीएल/एपीआर/2024-25/1363 विषयांतर्गत अवगत कराना चाहते हैं कि उपरोक्त कोतमा से निगवानी मार्ग में गढ़ी कोतमा में पत्थर की रिक्त पड़ी खदान पर फ्लाई ऐश का भराव का कार्य लगभग 25-30 दिन में पूरा हो जायेगा। आमजन की परेशानियों को देखते हुये इस अवधि में हम सड़क पर निर्मित गड्ढों का समतलीकरण करते हुये अपना शेष कार्य पूरा करेंगे। कार्य समाप्ति के उपरांत (लगभग एक माह बाद) जहां-जहां सड़क क्षतिग्रस्त हुई है वहां-वहां हम इस सड़क का मरम्मत अच्छे से करके पूर्व की भांति बना देंगे। उपरोक्त मरम्मत कार्य में अन्य जिम्मेवार कंपनी मे. आर्या एनर्जी लिमिटेड रेउला एवं मे. जेएमएस प्रा. लि. के भी आंशिक सहयोग की अपेक्षा है।

दिलीप जायसवाल
राज्यमंत्री
कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार)
मध्यप्रदेश शासन

क्रमांक B-321/राज्यमंत्री (स्व.प्र.)/कु.एवं ग्रा./2024

प्रति,
कलेक्टर,
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)।

00-00

मेरे विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोतमा से निगवानी रो[illegible] के हैवी वाहनों के संचालन से रोड पर जगह-जगह ग[illegible] से आमजनों को आवागमन में काफी परेशानियों का साम[illegible] है, उक्त रोड को सुधार कराये जाने की आवश्यकता है।

अतः कोतमा से निगवानी रोड का प्राक्कलन तै[illegible] मोजर बेयर कम्पनी द्वारा सुधार कराया जाना सुनिश्चित क[illegible]

(दिलीप [illegible]

प्रतिलिपि :-

1. प्रबंधक, मोजर बेयर कम्पनी, जैतहरी की ओर सूचना[illegible] कार्यवाही हेतु।

(दिलीप [illegible]

जिला कांग्रेस कार्यालय में सेवा दल के द्वारा राष्ट्र के महान विभूति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और राष्ट्र के लाल लाल बहादुर शास्त्री को दी गई श्रद्धांजलि

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, राष्ट्रपति महात्मा गांधी एवम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आज कृतज्ञ राष्ट्र के साथ अनूपपुर में जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सेवादल ने सम्मेल आयोजित कर उक्त दोनों ही महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, गोष्ठी, सर्वधर्म प्रार्थना सभा, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नगमों का गायन कर गांधी जी के जीवन दर्शन एवम उनके व्यक्तित्यो क्रतित्वों से सीख लेकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का संकल्प लिया गया । दो मिनट का मौन धारण किया गया। मुख्य ।तिथ्य की आसंदी से बोलते हुए पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के त्याग, तपस्या, प्रेम, अहिंसा और बलिदान के कारण ही देश स्वतंत्र हुआ, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के सोंच के कारण ही देश में हरित क्रान्ति आई कृषि के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बना, किसानों और सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था। देश की इन दोनों ही महान विभूतियों के जीवन दर्शन, व्यक्तियों, कर्तव्यो से सीख लेकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का हम सबको संकल्प लेना चाहिए हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी की हम सब उनके बताए मार्ग पर चले। कांग्रेस पार्टी बलिदानों की पार्टी है इनका सदस्य होने पर मुझे गर्व है। कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाई, कांग्रेस ने भोजन का खाद्य सुरक्षा अधिनियम बनाया, कांग्रेस ने महात्मा गांधी नरेगा योजना लागू किया। हम पहले अंग्रेजो गोरों से लड़े थे अब हमारी लड़ाई देश के सलासीन भ्रष्टाचारियों से हैं। जिस देश को हमारे महापुरुषों ने अपने खून और पसीने से सींचा है उसे भ्रष्टाचारियों के नफरत की आंधियों से बचाने की जरूरत है। श्री मार्को ने कांग्रेस सेवादल और कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए अमरकंटक में सेवादल का प्रशिक्षण शिविर लगाने की इच्छा जाहिर किया जल्द कार्य योजना सेवादल की बनाने को कहा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हम राष्ट्र की ऐसी महान विभूतियों महात्मा गांधी, एवम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मना रहे है इसका उतना ही महत्व है जैसे राष्ट्रीय पर्व का गांधी जी ने ग्राम सुराज का सपना देखा था जो साकार हुआ है । अहिंसा गांधी जी का सबसे बड़ा शस्त्र था जिसके बल पर हमे आजादी मिला । उन्होंने कहा आज हम कांग्रेस जनो के साथ मिलकर राजहा तालाब अनूपपुर की स्वच्छता के लिए श्रमदान किया शास्त्री जी की सादगी ईमानदारी से हमे अनुशासन में रहकर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही है की उनके

बताए आदर्शो पर चलकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने गांधी जी एवम शास्त्री जी की बताए रास्ते पर चलकर अपने देश और जिले वाशियो की सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के द्वारा दिए गए कार्यक्रम बेटी बचाओ अभियान की शुरुआत जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने किया जिसके तहत आज 2 अक्टूबर को स्पीक अप कार्यक्रम अभियान आरंभ किया गया। 5 अक्टूबर को युवा कांग्रेस को मसाल जुलूस निकालने को कहा। 7 अक्टूबर को महिला कांग्रेस का कैंडल मार्च निकालने,8 अक्टूबर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को उपवास कार्यक्रम रखने को कहा,14 अक्टूबर को बेटी बचाओ ज्ञापन जिला कलेक्टर को देने का निर्णय, 16 अक्टूबर को प्रदेश स्तरीय उपवास और मध्य प्रदेश बंद का भी आंदोलन करने की योजना बनाई। कांग्रेस को जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रोज मैरी मसीह,रामखेलावन राठौर, वासुदेव चटर्जी, संतोष पांडे, शिव कुमार गुप्ता, फारूख बेग, बिसाहू लाल साहू, मयंक त्रिपाठी, राम अग्रवाल, बेदक पटेल, शैलेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सोनी, विद्या शर्मा, रामसजीवन गौतम, दोमल सिंह, नरेंद्र सिंह, संतोष राठौर आदि ने संबोधित किया। सेवादल के प्रदेश प्रशिक्षक डा0 एहसान अली अंसारी के संचालन एवम मार्गदर्शन में सम्पन्न इस कार्यक्रम में, विनोद सोनी, मो0 मुस्तकीम, भूरा यादव, आर एस शर्मा, अहिवरन सिंह, संपत लाल, नांदऊ कोल, रुकमणी कोल, प्रेमवती पासी, टीकम दास जाटव, राम सिंह, रईस अहमद, प्यारे लाल सेन, श्रीमती रमा गुप्ता, तिलकधारी कोल, सुशील मसीह, शांति सिंह, पुरुषोत्तम चौधरी, छोटे लाल सिंह, पूजा गुप्ता, डा0 रवि प्रकाश, लमरू सिंह, राम दास विश्वकर्मा, बलरामर सिंह आदि की गरिमामई उपास्थि उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की शुरुआत वन्दे मातरम् समापन राष्ट्रगान से हुआ । राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर देश के लिए मर मिटने का संकल्प रमेश सिंह जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रतिज्ञा दिलाई। अंत में कांग्रेस परिवार के लोगों के निधन पर 2 मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया जिसमे मंजू मिश्रा की मां के निधन, रामवतार संत बेलिया के निधन, एवम अनूपपुर नगर के व्यापारी चंद्रिका गुप्ता की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया । कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन राजन राठौर ने किया।

व्यवसायिक शिक्षा के तहत प्रोजेक्ट कौशल प्रदर्शनी आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, व्यवसायिक शिक्षा अभियान के तहत शाजापुर के बस स्टैंड स्थित उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय स्टार्स प्रोजेक्ट कौशल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे मौजूद थे। इस मौके पर दुबे ने कहा कि जिले के 60 विद्यालयों में से 29 विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा शुरू की गई है जिसको लेकर आज गुरुवार को जिला स्तरीय व्यवसायिक प्रदर्र्शनी आयोजित की गई है। इस प्रदर्शनी में नाटिकाएं, प्रोजेक्ट आदि गतिविधियों का आयोजन

किया गया है। उन्होने कहा कि स्कूलों में शिक्षा के साथ ही व्यवसायिक शिक्षा ज्ञान भी विद्यार्थियों को दिया जा रहा है, ताकि वे निरंतर सफलता की ओर बढ़ते रहे हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए मॉडलों का अतिथि के द्वारा अवलोकन किया गया। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिका एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

घट स्थापना के साथ शुरू हुआ शारदीय नवरात्रि

देवी मंदिरों में उमड़ेगी आस्था की भीड़

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, घट स्थापना के साथ मां आदिशक्ति की भक्ति का पर्व शारदीय नवरात्रि गुरुवार से शुरू हुआ और अब भक्त माता रानी को मनाने के लिए पूरे नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। शहर के प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में कलेक्टर ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत, विधायक अरूण भीमावद ने घटस्थापना कर मां की महाआरती की। इसीके साथ पंडालों में गरबों से आराधना का दौर भी शुरू हो गया। शक्ति की भक्ति के पर्व नवरात्रि पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाएगी। नवरात्रि के पहले दिन भक्तों ने मां शैलपुत्री स्वरूप की पूजा कर मंगलकामनाएं की तो वहीं शहर के प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में रात 9 बजे मां की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि शक्ति के सभी स्थलों पर मां की आराधना के पर्व की धूम शुरू हो गई है और इसीके चलते शहर के कसेरा बाजार स्थित रूपा माता मंदिर, लालबाई-

फूलबाई मंदिर, संतोषी माता मंदिर, गायत्री मंदिर, मरी माता मंदिर, बिजासन माता मंदिर, गजलक्ष्मी मंदिर, काली माता मंदिर, हिंगलाज माता मंदिर एवं चामुंडा माता मंदिर सहित सभी मंदिरों में घट स्थापना और महाआरती की गई।

पंडालों में शुरू हुई गरबे की धूम

नवरात्रि के प्रारंभ होते ही गुरुवार रात को शहर के पंडालों में विराजमान मां आदिशक्ति की प्रतिमा के सामने युवतियों और महिलाओं ने भाव पूर्ण गरबे के साथ आराधना की। पंडालों में देररात तक गरबे की धूम रही। इसीके साथ देवी मंदिरों में विभिन्न आयोजनों की गंगा बहने का सिलसिला भी शुरू हो गया। वहीं मंदिरों में नौ दिवसीय अखंड रामायण पाठ का आयोजन भी शुरू हुआ और जगह-जगह भंडारे में भोजन प्रसादी वितरित की गई। उल्लेखनीय है प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शहर में करीब 100 से अधिक स्थानों पर मां भवानी की स्थापना की गई है और अब पूरे नौ दिनों तक माता रानी को मनाने के लिए पंडालों में विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे।

जला स्तरीय मोगली बाल महोत्सव का हुआ समापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को पर्यावरणीय भौगोलिक एवं सामान्य ज्ञान, नैसर्गिक सौन्दर्य की अनुभूति कराने के उद्देश्य से शाला स्तर से लगाकर विकास खंड स्तर तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मोगली उत्सव के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले के शाजापुर, बड़ोदिया, शुजालपुर, कालापीपल विकास खंडों से चयनित प्रतिभाशाली जूनियर वर्ग से 08 एवं सीनियर वर्ग से 08 प्रतिभाशाली चयनित प्रतिभागियों ने गुरुवार को उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिला स्तर से चयनित 04

विद्यार्थियों का समूह आगामी 07 से 08 नवम्बर 2024 को पेंच राष्ट्रीय उद्यान सिवनी में भाग लेगा। जिला स्तरीय मोगली बाल उत्सव सीनियर वर्ग में पंकज जयशंकर सीएम राईज दुपाड़ा, दिव्या भारती उत्कृष्ट विद्यालय मो बड़ोदिया, जूनियर वर्ग में गौतम मेवाड़ा सीएम राईज क्रमांक 02 शाजापुर, पायल सौराष्टीय शामावि कांजा के विद्यार्थी चयनित हुए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे, उत्कृष्ट प्राचार्य प्रवीण कुमार मण्डलोई, जिला योजना नोडल दीपक शर्मा, माखनलाल धानुक, संजय सोनी उपस्थित थे।

निशे की रोकथाम हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, समाज में नशे की बढ़ती लत की रोकथाम हेतु संपूर्ण देश में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी श्रृंखला में जिला कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशानुसार सामाजिक संस्था अंकुर प्रगतिशील प्रगतिशील महिला केंद्र अध्यक्ष गायत्री विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में मद्य निषेध सप्ताह अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों में युवाओं के मध्य जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। गुरुवार को स्थानीय आईटीआई कॉलेज में प्राचार्य राजाराम कटारिया एवं शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्राचार्य विपुल परमार्थी के मार्गदर्शन में नशा करें नाश विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा नशे के दुष्परिणाम पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं नशे के दुष्प्रभाव पर अपनी बात रखी। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष गायत्री विजयवर्र्गीय ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि नशा त्यागने वाले व्यक्तियों के उपचार की व्यवस्था जिला मुख्यालय पर ही उपलब्ध है। साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि महाविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के श्रेष्ठ प्रतिभागियों को मद्य निषेध सप्ताह के समापन पर 8 अक्टूबर को जिला स्तरीय समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता के दौरान रामलखन शर्मा, पवन मंडेकर, ज्योति सिलावट, गायत्रीसिंह, सपना महाजन, जोगेंद्र भारती, गुंजन जैन, शालिनीसिंह आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने मण्डलीय राजस्व लेखपाल प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण

नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर आमजन की समस्याओं को सकारात्मक ढंग से हल करने का करें प्रयास :- मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा बीडी बाजोरिया इण्टर कॉलेज में चल रहे मण्डलीय राजस्व लेखपाल प्रशिक्षण सत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से वार्ता कर मिल रही सुविधाओं एवं प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षक नियमित तौर पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं। इसी के साथ प्रशिक्षु भी नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर को भी देखा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अपने प्रशिक्षण को तनावमुक्त रहते हुए पूर्ण लगन एवं निष्ठा से पूरा करें। आपके द्वारा प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान द्वारा ही आमजनों की व्यवहारिक एवं राजस्व संबंधी समस्याओं को हल कर सकेंगे। अपने प्रशिक्षण में नियमितता एवं उपस्थिति जरूर सुनिश्चित कराएं। नियमों एवं अधिनियमों को गंभीरता से पढें। अवगत कराना है कि मण्डलीय राजस्व लेखपाल प्रशिक्षण सत्र 2024-2025 में मंडल के 153 लेखपालों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल 153 प्रशिक्षुओं में 91 सहारनपुर, 40 मुजफ्फरनगर एवं 22 शामली के है। इस अवसर पर अपर आयुक्त न्यायिक रमेश यादव सहित प्रशिक्षु लेखपाल उपस्थित रहे।

लाल बहादुर शास्त्री को देशवासियों से मिल रहे सम्मान से परिवार अभिभूत है : सुनील शास्त्री

सुरेंद्र सिंघल, (वरिष्ठ पत्रकार)

नई दिल्ली। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के यशस्वी पुत्र पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद 74 वर्षीय सुनील शास्त्री ने कहा कि देशवासी श्रद्धा और लगाव के साथ उनके पिता लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हैं और उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं जिससे उनका पूरा परिवार दिल की गहराइयों से आनंदित है और यह देखकर हम लोगों को महसूस होता है कि 2 अक्टूबर शास्त्री जी का जन्मदिन ही नहीं है बल्कि उनका अवतरण हो रहा है ।लाल बहादुर शास्त्री को उनके 121 वें जन्मदिन पर देशभर में याद किया गया ।लाल बहादुर शास्त्री के बेटे सुनील शास्त्री जो उत्तर प्रदेश में मंत्री और बाद में सांसद रहे और कांग्रेस में सक्रिय हैं से जब वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल ने खास बातचीत में पूछा कि अनुकूल हालात होने के बावजूद उन्होंने इस बार लोकसभा का चुनाव क्यों नहीं लड़ा तो वह बोले कि जो सम्मान और लगाव हमें चारों तरफ जन-जन से मिलता है उसके आगे कोई

सत्ता सुख मायने नहीं रखता है। चुनाव के दौरान वह सामाजिक रूप से इतने व्यस्त रहे कि चुनाव लड़ने की बात ही उनके दिमाग में नहीं रही। सुनील शास्त्री ने कहा कि उनके परिवार को देश का उतना सम्मान और स्नेह प्राप्त है कि उसके प्रति कृतघ्ता व्यक्त करने के शब्द भी उनके पास नहीं है। उन्होंने बताया कि इस बार लाल बहादुर शास्त्री नेशनल मेमोरियल संस्थान जो प्रधानमंत्री के रूप में उनका सरकारी आवास रहा, पर रात्रि में आयोजित सांस्कृतिक समारोह में देश की प्रख्यात गायिका वाणी बब्बर ने अपनी मधुर आवाज में गजलों का गायन प्रस्तुत किया।

डीएम एवं एसएसपी ने मां शाकंभरी देवी मेले की व्यवस्थाओं का लिया जाएजा, मेले को दिव्य एवं भव्य बनाने के दिए निर्देश

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को न हों कोई परेशानी - जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण द्वारा मां शाकंभरी देवी मेले का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मां शाकंभरी देवी मेला के संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि मेले का आयोजन पूर्व वर्षो की भांति दिव्य और भव्य होना चाहिए। इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी पहले से ही आवश्यक व्यवस्था समय रहते पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि मां शाकंभरी देवी जाने के लिए श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। मां शाकंभरी देवी जाने वाली सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश सम्बन्धित विभाग को दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को मेले के दौरान सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने के साथ ही पथ प्रकाश की उचित व्यवस्था जो सीसीटीवी कैमरे से युक्त हों करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में पानी की आपूर्ति तथा साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। मेला परिसर में चिकित्सा सुविधा तथा मोबाइल एंबुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने मोबाइल टॉयलेट एवं अस्थाई शौचालय निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत सुरक्षा के दृष्टिगत लगाई जाने वाली दुकानों के मध्य पर्याप्त दूरी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पानी आने पर चेतावनी व्यवस्था अलर्ट रखी जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, एसपी ग्रामीण सागर जैन, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार एम एस पी को गारंटी कानून बनाएं :-आसिम मलिक

गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 कुंतल कराने तक संघर्ष जारी रहेगा-असीम मलिक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा जिला कार्यालय महफूज गार्डन चिलकाना रोड पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा घोषित रेल रोको प्रोग्राम के तहत सैकड़ों किसान भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक के नेतृत्व में इकट्ठा होकर रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहे थे। तभी जिला कार्यालय पर सिटी मजिस्ट्रेट व देहात कोतवाली इंस्पेक्टर भारी फोर्स के साथ जिला कार्यालय पहुंच गए। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि आप हमें समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दे दें हम उसे दिल्ली केंद्र सरकार को भेज देंगे। सिटी मजिस्ट्रेट और अधिकारियों के आश्वासन पर भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक और महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने 14 सूत्रीय ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने किसानों को संबोधित करते हुए और सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं को हल नहीं किया गया तो देश और प्रदेशों के लाखों किसान इकट्ठा होकर दिल्ली में पंचायत करके अपनी समस्याओं को हल कर करा ही घर लौटेंगे। आसिम मलिक ने कहा कि मोदी सरकार को एम एस पी को गारंटी कानून तत्काल बनाना चाहिए। डॉ एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करके देश के अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाना चाहिए। देश के किसानों के

सभी कर्ज समाप्त करने चाहिए। जो सरकार की गलत नीति के कारण हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम 2022 में किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। किसानों की आय तो दुगनी नहीं हुई है लेकिन किसानों पर दोगुना कर्ज हो गया है जो दिल्ली लुटियंस जोन में बैठे हुए नेताओं के लिए शर्म की बात है। आसिम मलिक ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में संघर्ष शुरू हो चुका है। पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल नकद मिलेगा और चीनी मिलों से अविलंब गन्ना भुगतान व ब्याज मिलेगा और किसानों की समस्याएं प्राथमिकता के आधार पर हल होगी। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन वर्मा के महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने कहा कि देश के अन्नदाता किसान 13 महीने तक दिल्ली में सड़कों पर आंदोलन करते रहे और अब 7 महीने से पंजाब के शंभू बॉर्डर खनोरी बॉर्डर डबवाली बॉर्डर पर लाखों किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ धरने पर हैं। दिल्ली की बहरी और गूंगी सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की उन्नति के लिए मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए और 58 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग किसानों, मजदूरों को ?10000 प्रति वहां वृद्धावस्था पेंशन दिलाएं। देश के किसानों की उन्नति से ही देश की उन्नति संभव है। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य रजत शर्मा, मंडल प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान, नगर उपाध्यक्ष हाजी कलीम उर रहमान, नगर मंत्री तबरेज मलिक, जिला मंत्री अब्दुल्ला मलिक, मोहम्मद अखलाक, मोहम्मद शौकीन, राशिद मलिक, शहजाद मलिक, फुरकान मलिक, मोहम्मद असगर, मोहम्मद मोबीन, शाहिद मलिक, सहाजेब मलिक, महबूब हसन, हाजी बुद्धू हसन, हाजी सगीर, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद जीशान, हाजी वली मोहम्मद, मोहम्मद अकमल गौड़, नगर मंत्री मोहम्मद अमजद अली आदि मौजूद रहे।

आंगनबाडी केन्द्रो में शक्ति पूजन दिवस का आयोजन

विदिशा

महिला एवं बालिका सशक्तिकरण जागरूकता के लिए प्रदेशव्यापी शक्ति अभिनंदन अभियान का आयोजन शुरू हुआ है उक्त अभियान 2 अक्टूबर से शुरू होकर 11 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिला नेतृत्व आधारित विकास महिला सशक्तिकरण महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों कार्यक्रमों का निरंतर क्रियान्वयन किया जा रहा है इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग बालिका सशक्तिकरण के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए संपूर्ण प्रदेश में 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक शक्ति अभिनंदन अभियान आयोजित किया जा रहा है। विदिशा जिला मुख्यालय सहित अन्य सभी आंगनबाडी केन्द्रों पर शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन तिथिवार निर्धारित अनुसार शुरू हुआ है। विदिशा शहर की आंगनबाडी केन्द्र क्रमांक 35/77 हीरापुरा राजीवनगर पर गुरुवार को शक्ति पूजन कार्यक्रम अंतर्गत कन्या पूजन किया गया। आंगनबाडी में बेटी बचाओं के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। इस अवसर पर आंगनबाडी कार्यकर्ता श्रीमती दुर्गेश यादव एवं नगमा खॉन के द्वारा सभी को बेटी बचाओं के बैनर, स्टिकर एवं बैच प्रदाय किए गए है।

पेड़-पौधे लगाएं, हरियाली, जल की उपलब्धि बनेगी समृद्धि का आधार - सुमित महाजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

।सहारनपुर, सहारनपुर का हैंडीक्राफ्ट उद्योग पूरी दुनिया भर में लकड़ी के सजावटी व अन्य घरेलू जरूरी सामान के लिए मशहूर है। इसलिए जरूरी है कि भविष्य में लकड़ी उपलब्ध रहे, समृची आबादी को स्वच्छ हवा मिलती रहे इसलिए भारी तादाद में पेड़- पौधे लगाए जाएं। इससे न सिर्फ शहर में हरियाली बढ़ेगी अच्छी बारिश भी होगी जिससे नगर व ग्रामीण, सभी इलाकों के वासी समृद्ध होंगे। यह विचार सहारनपुर के मुख्य विकास अधिकारी, आईएएस सुमित राजेश महाजन ने जेवी जैन इंटरकॉलेज में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन सहारनपुर के डीएम, आईएएस मनीष बंसल के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में जल प्रहरी जलवायु अनुकूलन प्रकल्प के

संयोजक अनिल सिंह, सरकारी टेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमेया साठे ने भी पौधारोपण किया और बताया कि यह अभियान जल शक्ति मंत्रालय के नेशनल वाटर मिशन के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम के तहत आयोजित किया गया है। कॉलेज प्रबंधन से राकेश जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तो कुलभूषण जैन ने कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी दी। कॉलेज के प्रांगण में यहां एनसीसी के युवा कैडेटस के सहयोग से कई दर्जन पौधे लगाए गए। इन पौधों में नीम, सीसम, कदम, अशोक व अमरूद के पौधे प्रमुख तौर पर शामिल थे। कार्यक्रम में जिला विधालय निरीक्षक हर्षदेव स्वामी, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा ने भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर कॉलेज के संस्कृत विषय में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले छात्र व एक शिक्षिका को मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि डीएम के निर्देशानुसार सहारनपुर की 22 बरसाती नदियों में से कई नदियों को पुनर्जीवित करने पर काम चल रहा है। इसके साथ ही डीएम, आईएएस मनीष बंसल ने औपचारिक मुलाकात में बताया कि सहारनपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार 43 लाख पौधे लगाए गए हैं और सरकारी विभागों के साथ साथ, सभी शहरवासी इनकी देखरेख करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जल प्रहरी द्वारा जल संरक्षण, संवर्धन की दिशा में किए जा रहे युवाओं के लिए प्रेरक हैं। गौरतलब है कि आईएएस मनीष बंसल को संभल जिला अधिकारी के तौर पर जल प्रबंधन, संरक्षण, संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए वर्ष 2023 में जल प्रहरी सम्मान प्रदान किया गया है।

अतिक्रमण विमुक्त हुई शासकीय और गौशाला की भूमि

विदिशा

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने के कार्य मुहिम के रूप में क्रियान्वित किए जा रहे है। कलेक्टर द्वारा की जा रही विशेष पहल के अनुपालन में समस्त राजस्व अधिकारियों के द्वारा अतिक्रमण विमुक्ति की गतिविधियों का क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशों के अनुपालन में आज शमशाबाद एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल के द्वारा शासकीय और गौशाला की भूमि पर हुए अतिक्रमण को निर्विघ्न रूप से हटवाने के कार्यो का संपादन कराया गया है। एसडीएम श्री पटेल ने बताया कि ग्राम डंगरवाडा में गौ-शाला भूमि सहित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 77/1 रकवा 2.996 व 77/2 रकवा 2.00 एवं 77/3 रकवा

0.418 पर सर्वे क्रमांक बेदखली की कार्यवाही कर अतिक्रमण कार्यो से मुक्त कराई गई है और भूमि ग्राम पंचायत को सुपुर्द की गई है। गौरतलब हो कि पूर्व उल्लेखित भूमि सर्वे क्रमांकों पर रामबाबू पुत्र निहाल सिंह, संजीव पुत्र घनश्याम, बाबूलाल पुत्र पर्वत सिंह, दीपक पुत्र दिलीप सिंह, निहाल सिंह पुत्र रघुलाल इत्यादि से अतिक्रमण मुक्त कराया गया हैं। शमशाबाद तहसीलदार ने बताया कि तहसील के अंतर्गत ग्राम डंगरबाडा के गौशाला से लगी हुई चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराई जाने की कार्यवाही जारी है।

शैक्षणिक सुधार हेतु समर्पण व त्याग भावना से कार्यो को मूर्तरूप दें-कलेक्टर

विदिशा

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गुरूवार को शैक्षणिक कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्कूल भवन बन जाने से शैक्षणिक सुविधाएं पूरी की जा सकती है किन्तु शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए संबंधितों को समर्पण व त्याग भावना से सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करना होगा। समय पर स्कूल खुले, गुरूजनो के द्वारा अध्यापन कार्य कराया जाए ताकि अध्ययनरत बच्चों के बौद्धिक विकास में किसी भी प्रकार के अवरोध ना हो पाए। उन्होंने बीईओ, बीआरसी, डीपीसी, सीएससी, बीएससी को उक्त बैठक में निर्देशित किया है कि कार्य क्षेत्रों के स्कूलों का सतत भ्रमण करें ताकि बच्चों व गुरूजनों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिला शिक्षा केन्द्र के माध्यम से संचालित शैक्षणिक संस्थाओं, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों की बिन्दुवार समीक्षा की है। बैठक में विकासखण्डवार कक्षा एक से दस तक दर्ज

विद्यार्थियों की संख्या के संबंध में ऐसी शैक्षणिक संस्था जहां पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष एक भी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया है उन कारणो का पता लगाने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर बच्चों की जानकारियां संकलित कर यह पता लगाया जाएं कि बच्चे कहीं ड्राफ आउट तो नहीं हो गए है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले के शैक्षणिक स्कूलो में पहली व छटवीं व आठवीं में दाखिला नहीं लेने वाले बच्चों को ट्रेस करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शैक्षणिक कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने डीपीसी को निर्देशित किया कि अधीनस्थो के कार्यो की सतत मानिटरिंग के लिए समीक्षात्मक बैठके अनिवार्य रूप से आयोजित कर शासन के दिशा निर्देशानुसार उपलब्धियां हासिल की जा रही है कि नहीं का मुआयना करें। बैठक में कक्षा एवं विषयवार वर्तमान उपलब्धियों की जानकारियां प्रस्तुत करते हुए स्विफ्ट चेक सहभागिता, कक्षा तीन से लेकर छह तक के लिए चिन्हांकित किए गए माडयूल प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं तथा सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास तथा महावार अनुवीक्षण, सीएम हेल्पलाइन तथा मानिटरिंग के प्रबंधो के साथ-साथ प्रोफाइल अपडेशन के कार्यो की समीक्षा की गई है।

मेरी शाला संपूर्ण शाला अभियान के तहत सन फार्मा और साइंस कॉलेज देवास ने संभागायुक्त श्री गुप्ता की उपस्थिति में 50 सेट फर्नीचर प्रदान किये

विद्यार्थी लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करें और लक्ष्य को प्राप्त करें- संभागायुक्त श्री गुप्ता

देवास

जिले में जनभागीदारी और उद्योगों द्वारा सीएसआर मद से अभी तक 720 स्कूलों में फर्नीचर सेट उपलब्ध कराये गए

देवास जिले में चलाये जा रहे मेरी शाला संपूर्ण शाला अभियान के तहत सन फार्मा देवास द्वारा सी.एस.आर. मद से और साइंस कॉलेज देवास द्वारा संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता की उपस्थिति में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगावदा में 50 सेट फर्नीचर के प्रदान किये। इनमें से 20 फर्नीचर सेट कनकाखजुरिया माध्यमिक विद्यालय और 30 सेट गंधर्वपुरी माध्यमिक विद्यालय में भेजे जाएंगे। इस दौरान कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, डाइट प्राचार्य श्री राजेन्द्र सक्सेना, स्कूल प्राचार्य श्री अनिल सोलंकी, सनफार्मा से श्री निशार अहमद,? विद्यालय के छात्र उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने कहा कि देवास जिले में पढ़ाई के लिए इतना अच्छा काम हो रहा है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। शासन स्कूल में आपको सुविधा उपलब्ध करा सकती है, पढ़ाई की जवाबदारी आप स्वयं की है। विद्यार्थी लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करें और लक्ष्य को प्राप्त करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में पांचवी और आठवीं के बच्चे नीचे बैठकर परीक्षा नहीं दें, इसलिए मेरी शाला- संपूर्ण शाला अभियान चलाया जा रहा है। जिले में जनवरी-फरवरी तक सभी माध्यमिक स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान में उद्योगों से अच्छा सहयोग मिल रहा है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कक्षा 10वीं के बच्चों से प्रश्न किए। कितने घंटे पढ़ाई करते है, इस बारे में पूछा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि दसवीं कक्षा सबसे महत्वपूर्ण कक्षा है। प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है कक्षा 10वीं बोर्ड की परीक्षा में अच्छे नंबर होने पर आगे फायदा होगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्कूल प्राचार्य को निर्देश दिए कि एक्स्ट्रा क्लास और संडे क्लास लगाए। ''मेरी शाला संपूर्ण शाला अभियान के तहत जिले में जनभागीदारी और उद्योगों द्वारा सीएसआर मद से अभी तक 720 स्कूलों में फर्नीचर सेट उपलब्ध कराये गये है। शेष स्कूलों में शीघ्र फर्नीचर सेट उपलब्ध कराये जायेंगे। आज सनफार्मा द्वारा 20 और साइंस कॉलेज द्वारा 30 सेट जिले की स्कूलों के लिए दिए गए है। जिले में मेरा स्कूल स्मार्ट स्कूल अभियान के तहत जिले की सभी 1650 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाई गई है। शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। जिले में कोडिंग फॉर एवरी वन अभियान चलाया गया। जिसमें 16 हजार बच्चे लाभान्वित हुए है।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री लक्ष्मण कर्मा का किया गया सम्मान

खरगोन

भूतकाल में की गई गलतियों से सीख कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए जीवन में अनुभव का अपना मूल्य होता है। इसी अनुभव के आधार पर हमें हमारे बुजुर्ग जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए रास्ता दिखाते हैं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गणित विषय के सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री लक्ष्मण कर्मा को उनके निवास पर पहुंचकर जन भागीदारी समिति एवं महाविद्यालयीन स्टाफ द्वारा श्रीफल, शॉल तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया तथा उनसे विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। जनभागीदारी अध्यक्ष श्री दीपक कानूनगो द्वारा बताया गया कि श्री कर्मा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वर्ष 1975 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के पुरस्कार से सम्मानित किया

गया था। श्री कर्मा का मार्गदर्शन हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जिससे हम विद्यार्थियों के हित में और बेहतर तरीके से कार्य कर पाएंगे। वरिष्ठ प्राध्यापक तथा अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र बर्वे ने बताया कि श्री कर्मा द्वारा विद्यार्थियों के लिए ज्यामिति के इंस्ट्रूमेंट का निर्माण भी किया गया था जो विद्यार्थियों के लिए उनकी प्रतिबद्धता के साथ किए गए अपने कार्य को दर्शाता है। वरिष्ठ प्राध्यापक तथा वाणिज्य संकाय विभागाध्यक्ष डॉ. एसडी पाटीदार ने बताया कि श्री कर्मा सर विद्यार्थियों में अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक रहे हैं। वहीं विद्यार्थियों को सदैव जीवन में कुछ नया करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। श्री लक्ष्मण कर्मा ने कहा कि मैं सम्मान को पाकर अत्यंत अभिभूत हूं। वर्तमान पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए नैतिक मूल्य एवं शिष्टाचार का पालन अवश्य करना चाहिए। यह दोनों गुण ही है जो व्यक्ति को ऊंचे से ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद भी मनुष्यता के गुण से सुशोभित करते हैं। महाविद्यालय में वृद्ध जनों के प्रति युवाओं के दायित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने वृद्ध जनों की प्रति अपने प्रेम और कर्तव्यों पर विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉ. शैल जोशी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता मंच पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. गणेश पाटिल, ग्रंथपाल श्री गोविंद यादव, श्री हिमांशु कर्मा, श्री लक्ष्मण कर्मा के सुपुत्र श्री बृजेश कर्मा, परिवार के अन्य सदस्य श्री संतोष कर्मा, चंचला, रुद्राक्ष तथा फाल्गुनी भी उपस्थित रहे।

बीएचयू के इनोवेटर ने खोजा नासा के सर्वर का बग

वाराणसी। बीएचयू के एक इनोवेटर ने अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसी नासा के सर्वर में बग यानी गड़बड़ी खोजी है। नासा इसे स्वीकार किया और अब सुधार भी किया जा रहा है। गड़बड़ी ऐसी थी कि हैकर्स नासा की साइट को डाउन कर देते। ट्रैफिक होने पर वेबसाइट स्लो खुलती। यूजर्स को जानकारी नहीं मिलती। यहां से गोपनीय सूचनाएं भी चुराई जा सकती थीं। ये काम बीएचयू के अटल इंक्यूबेशन सेंटर के इनोवेटर मृत्युंजय सिंह ने किया। उन्होंने एक ओपन चैलेंज में इस बग को खोजा है। इस बग का नाम है पी-5 इंफॉर्मेशनल वल्नबरैलिटी। बग क्राउड कंपनी की ओर से नासा की वेबसाइट में कमियों को खोजने के लिए ये चैलेंज दिया गया था। अब नासा समेत सेंटर के डायरेक्टर प्रो. पीवी राजीव ने मृत्युंजय की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।मृत्युंजय कहते हैं कि बग क्राउड कंपनी दुनिया भर के हैकर्स को मौका देती है। कहती है कि कंपनियों की वेबसाइट में मौजूदा गड़बड़ियों को बताइए। इसमें नासा समेत दुनिया भर की कई नामी-गिरामी वेबसाइट होती हैं।

10 दिन तक चली रिसर्च

मृत्युंजय ने कहा कि उन्होंने इस चैलेंज को स्वीकार किया। नासा की वेबसाइट पर रिसर्च का काम शुरू हुआ। 10 दिन तक रिसर्च चली। खुद के बनाए एक हैकिंग सॉफ्टवेयर की मदद से पेन टेस्टिंग की गई। यानी कि वेबसाइट के इंटरनल प्रोग्रामिंग में जाकर लूपहोल खोजे गए। हालांकि, आम लोगों को नासा की वेबसाइट पर ये दिक्कत नहीं दिख सकती। इसे केवल हैकर्स या एथिकल हैकर्स ही समझ सकते हैं।

कंपनी के साथ हुई बग बाउंड्री

किसी कंपनी के द्वारा किसी वेबसाइट पर रिसर्च करके गड़बड़ी निकालने को हैकर्स की भाषा में बग बाउंड्री कहते हैं। यानी कि आओ ओपन चैलेंज में हमारी वेबसाइट की कमियां खोजो। ऐसी कमी जिसे कोई ब्लैक हैट हैकर यानी कि खतरनाक हैकर हमारी वेबसाइट को नुकसान न पहुंचा पाए। इसे ही बग बाउंड्री कहा जाता है। बग क्राउड कंपनी की ओर से चैलेंज को स्वीकारा। नौवें दिन के रिसर्च के बाद 18 पन्ने की एक रिपोर्ट दी गई, तो नासा ने इसे गड़बड़ी नहीं माना। कहा गया कि इस तरह से कोई हैकर गड़बड़ी नहीं कर सकता। यदि कर सकता है तो प्रूफ करो। रिसर्च के 10वें दिन दोबारा पांच पन्नों की दूसरी रिपोर्ट दी गई।

इसमें सारी तकनीकी दिक्कतों को बताया। एक घंटे बाद नासा ने जवाब दिया कि हां, दिक्कत है। फिर, नासा ने मृत्युंजय से इस सूचना को पब्लिक डोमेन पर पोस्ट करने की अनुमति मांगी। जिसे डिस्क्लोजर कहते हैं। उन्होंने अनुमति दे दी। दो दिन बाद पब्लिक डोमेन में ये सूचना डाल दी जाएगी।

आधी सदी तक चलने वाला विवाद खत्म

चागोस द्वीप समूह मॉरिशस को लौटाएगा ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह को मॉरिशस को लौटाने का फैसला किया है। यह द्वीप समूह हिंद महासागर में स्थित है और इसमें 60 से अधिक छोटे द्वीप शामिल हैं। चागोस द्वीप समूह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, खासकर यहां स्थित ब्रिटेन और अमेरिका सैन्य ठिकाने डिएगो गार्सिया के लिए। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि इस समझौते का समर्थन अमेरिक जैसे अंतरराष्ट्रीय साझेदार ने भी किया है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, यह समझौता हमारे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने को सुरक्षित करेगा। उन्होंने कहा, इससे वैश्विक सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा और हिंद महासागर का इस्तेमाल अवैध प्रवासन के रास्ते के रूप में नहीं होगा। साथ ही यह मॉरिशस के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, यह दिखाता है कि मॉरिशस के साथ हमारे दीर्घकालिक संबंध हैं, जो हमारा करीबी राष्ट्रमंडल साझेदार भी है।

पूरा विवाद क्या था

चागोस द्वीप समूह को लेकर ब्रिटेन और मॉरिशस के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। 1960 के दशक में जब ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह पर कब्जा किया तो वहां के चागोसी लोगों को जबरन वहां से निकाल दिया गया। मॉरिशस को 1968 में आजादी मिली लेकिन वह चागोस द्वीप समूह तब भी ब्रिटेन के नियंत्रण में रहा। मॉरिशस ने समय-समय पर इस क्षेत्र को अपना हिस्सा मानते हुए ब्रिटेन से इसे वापस करने की मांग की। चागोस के निवासियों ने भी लंबे समय तक अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ कानूनी मामले भी दायर किए, ताकि वह अपनी जमीन पर वापस लौट सकें। संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में ब्रिटेन के कब्जे को चुनौती दी गई थी। हालांकि, ब्रिटेन इस द्वीप समूह का रणनीतिक सैन्य ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करा रहा। वहीं, अमेरिका ने भी इस पर अपना सैन्य ठिकाना बनाया।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच का संबद्ध सदस्य बना भारत

नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (आईएमडीआरएफ) का संबद्ध सदस्य बन गया है। इससे दुनियाभर में नियामक प्राधिकारों के साथ साझेदारी के अवसर बढ़ेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 2011 में स्थापित आईएमडीआरएफ वैश्विक चिकित्सीय उपकरण नियामकों का एक संयुक्त समूह है जो अंतरराष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामकों के बीच सहयोग और समन्वय को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यरत है।

आईएमडीआरएफ के सदस्यों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, वैश्विक स्वीकृत मानकों के साथ भारत के नियामक ढांचे को संरेखित करने के उद्देश्य से चिकित्सीय उपकरणों के लिए विस्तृत नियामकों की शुरूआत की गई है। इस पहल से चिकित्सीय उपकरण क्षेत्र में विकास और नवाचार को प्रोत्साहन देने वाले नियामक तंत्र का विकास होगा। इसमें कहा गया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करने तथा चिकित्सीय उपकरण नियामक प्रणाली को वैश्विक रूप से संरेखित करने के उद्देश्य से वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (आईएमडीआरएफ) की सदस्यता के लिए आवेदन किया। मंत्रालय ने कहा, भारत की संबद्ध सदस्यता की समीक्षा करने के बाद और सितंबर 2024 में अमेरिका के सिएटल में आयोजित आईएमडीआरएफ के 26वें सत्र के दौरान सीडीएससीओ के वरिष्ठ अधिकारियों के विचार विमर्श के बाद मंच द्वारा सीडीएससीओ को संबद्ध सदस्यता की अनुमति प्रदान की गई। विज्ञप्ति के अनुसार संबद्ध सदस्य के रूप में भारत आईएमडीआरएफ के खुले सत्रों में भागीदारी कर सकेगा। मंत्रालय ने कहा कि मंच की सदस्यता भारत के चिकित्सीय उपकरण निमार्ताओं को आईएमडीआरएफ सदस्य देशों के नियामक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम बनाएगी, जिससे वैश्विक बाजार में ह्लब्रांड इंडिया को मजबूती प्राप्त होगी।

अब चंद्रयान-4 भी करेगा कमाल इसरो की ओर से दी गई जानकारी

नई दिल्ली। पिछले साल चंद्रयान-3 ने इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंड किया था। इसके बाद 14 चंद्र दिनों तक वह चंद्रमा पर एक्टिव रहा और उसके भेजे गए इनपुट्स के आधार पर कई जांच हुईं, जो अब भी कभी-कभी सामने आती रहती हैं। अब चंद्रयान-4 मिशन पर सबकी नजरे हैं। साल 2029 में इसे लॉन्च किया जाएगा और इसकी संभावित लागत 2104 करोड़ रुपये है। पिछले दिनों इसरो ने खुशखबरी दी थी कि चंद्रयान-4 चांद से दो से तीन किलो मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा। चंद्रयान-4 में पांच तरह के मॉड्यूल काम करेंगे। एसेंडर मॉड्यूल (एएम), डिसेंडर मॉड्यूल (डीएम), री एंट्री मॉड्यूल (आरएम), ट्रांसफर मॉड्यूल (टीएम) और प्रपल्शन मॉड्यूल (पीएम)। इन्हें दो अलग अलग एमवीएम 3 लॉन्च व्हीकल्स में लॉन्च किया जाएगा। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसरो ने बताया है कि चंद्रमा पर लैंड करने के बाद रोबोटिक आर्म जिसे सरफेस सैंपलिंग रोबोट भी कहा जाता है, वह लैंडिंग साइट के आसपास से दो से तीन किलो की मिट्टी निकालेगा और फिर एएम पर लगे हुए कंटेनर में भरेगा। सैंपल्स वाले कंटेनरों को पृथ्वी की यात्रा के दौरान रिसाव को रोकने के लिए सील कर दिया जाएगा। इसरो ने एक बयान में बताया कि मिट्टी को इकट्ठा करने के विभिन्न चरणों की निगरानी वीडियो कैमरों के माध्यम से की जाएगी। इससे पहले इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा था कि चंद्रयान-3 ने यह करके दिखाया है कि हमारे लिए चंद्रमा के किसी भी स्थान पर लैंड करना संभव है और फिर वैज्ञानिक प्रयोग बहुत अच्छे रहे हैं। अगला कदम वहां जाना और सुरक्षित वापस आना है, और ऐसा करने के लिए हमें कई तकनीकें विकसित करने की जरूरत है। यह सब चंद्रयान-4 का हिस्सा है।

नमूना संग्रह जैसे वैज्ञानिक मिशन भी होंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारत चांद पर जाता है, तो हम कुछ नया लेकर आएंगे। चांद से कुछ वापस लाने में कई दिक्कतें हैं। आपको अलग-अलग जगहों से ड्रिल करके उसे इकट्ठा करना होगा। फिर नमूना लेने और उसे कंटेनर में इकट्ठा करने की रोबोटिक गतिविधि होती है। फिर कंटेनर को उस स्थान से लैंडर पर शिफ्ट करने की भी जरूरत होती है जो चंद्रमा से उड़ान भरेगा।

सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम में बदलाव का रखा प्रस्ताव

दुर्घटना दावों के लिए 12 महीने की समय-सीमा

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय ने मोटर वाहन अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधनों का प्रस्ताव दिया है। जिसमें मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) को दावों के समाधान के लिए 12 महीने की समय-सीमा देना और मोटरसाइकिलों को कॉन्ट्रैक्ट कैरिज (अनुबंध गाड़ी) के तहत शामिल करके उनके व्यावसायिक इस्तेमाल की अनुमति देना शामिल है। इसमें रैपिडो और उबर जैसे एग्रीगेटर्स द्वारा उनके उपयोग की अनुमति देना भी शामिल है। कॉन्ट्रैक्ट कैरिज का मतलब यात्रियों को ले जाने के लिए किराए पर लिए गए वाहन हैं। जबकि मौजूदा कानून कॉन्ट्रैक्ट कैरिज के तहत सभी वाहनों के इस्तेमाल की अनुमति देता है। वहीं, प्रस्तावित संशोधन का मकसद मोटरसाइकिलों के संबंध में कानूनी स्पष्टता प्रदान करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह कुछ राज्यों द्वारा राइड-हेलिंग सर्विस के लिए दोपहिया वाहनों के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने के मद्देनजर किया गया है। इसके अलावा, मंत्रालय यात्री सुरक्षा को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए मोटरसाइकिलों को शामिल करने के लिए ह्यकैब एग्रीगेटर्स गाइडलाइंस को संशोधित कर रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने वाले 67 प्रस्तावित संशोधनों में ह्यशैक्षणिक संस्थानों की बसोंह्ल की नई परिभाषा और हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) को उनके सकल भार (ग्रॉस वेट) के आधार पर वर्गीकृत करने का प्रस्ताव शामिल है। पहली बार, तिपहिया वाहनों की परिभाषा भी सुझाई गई है। ये बदलाव सुप्रीम कोर्ट के एक मामले के बाद किए गए हैं। एक प्रमुख संशोधन में शैक्षणिक संस्थान बस को किसी भी वाहन के रूप में फिर से परिभाषित करने की कोशिश की गई है। जिसमें चालक को छोड़कर छह से ज्यादा व्यक्ति होते हैं, जो छात्रों और कर्मचारियों के परिवहन के लिए संस्थान द्वारा स्वामित्व में, लीज पर या किराए पर लिया जाता है। मंत्रालय ने ड्राइवरों और नियोक्ताओं की जवाबदेही बढ़ाने के लिए ऐसी बसों द्वारा किए गए ट्रैफिक उल्लंघन के लिए दंड को दोगुना करने का भी प्रस्ताव किया है। सरकार सुप्रीम कोर्ट को दिए गए आश्वासन को पूरा करने के लिए शीघ्र संसदीय मंजूरी के लिए दबाव बना रही है। जो इस बात की जांच कर रहा है कि क्या हल्के वाहन लाइसेंस वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक के भार रहित परिवहन वाहन को चला सकता है। जिसे माल हल्के मोटर वाहन के रूप में जाना जाता है। एक अन्य प्रस्तावित संशोधन राज्यों को कैब एग्रीगेटर्स, ऑटोमेटेड टेस्ट स्टेशनों (एटीएस) और मान्यता प्राप्त ड्राइवर प्रशिक्षण केंद्रों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जिसके लिए आवेदन जमा करने के छह महीने के भीतर फैसला लेना आवश्यक होगा।

सीमा सुरक्षा बल ने पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा

नई दिल्ली। बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर घुसपैठ की कोशिश कर रहे बांग्लादेशियों को बीएसएफ ने धर दबोचा है। मेघालय फ्रंटियर के पीआरओ ने गुरुवार को कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। घुसपैठिए कथित तौर ऑटो रिक्शा पर सवार थे और बीएसएफ अधिकारियों को देख रिक्शा से निकलकर भागने लगे। अधिकारियों ने बताया कि वे बांग्लादेश की सीमा में घुसना चाह रहे थे। जवानों ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। बाद में आरोपियों को नजदीकी पुलिस स्टेशन को सुपुर्द कर दिया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जब से बांग्लादेश में अशांति फैली है, हमने निगरानी कड़ी कर दी है। इस अवधि में 108 अवैध घुसपैठियों को पकड़ा है।

बीएसएफ पीआरओ ने कहा, 2 अक्टूबर को गश्ती दल ने एक ऑटो रिक्शा को वहां से कुछ दूरी पर रुकते हुए देखा। वहां सैनिक ड्यूटी कर रहे थे।

पांच संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक बाहर निकले और भागने का प्रयास करने लगे। जवानों ने उनका पीछा किया और उन्हें सफलतापूर्वक पकड़ लिया। पीआरओ ने कहा, बाद में पता चला कि बांग्लादेशी नागरिक चेन्नई से आए थे।

वहां वे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे और अवैध रूप से बांग्लादेश में घुसना चाह रहे थे। बाद में पकड़े गए लोगों को वेस्ट गारो हिल्स जिले के डालू पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

घुसपैठियों ने भारतीय आईडी भी बनाई

इससे पहले 1 अक्टूबर को असम पुलिस ने राज्य के दक्षिण सलमारा और करीमगंज जिलों में चौदह अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था।

इनकी पहचान मोहम्मद अरिफुल इस्लाम, मोहम्मद मोनिर हुसैन, मोफजल हुसैन, मोहम्मद मिजानुर रहमान, अब्यदुल्ला हसन, अशरफुल इस्लाम, माणिक मिया, नोबी हुसैन, वलीउल उल्लाह, हजरत अली, सोफिकुल इस्लाम, मोमिनुक हक और फुरकान अली के रूप में की गई। ये सभी बांग्लादेशी नागरिक थे।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्?वा सरमा ने राज्य पुलिस बल की प्रशंसा करते हुए कहा, जब से बांग्लादेश में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई है, हमने कड़ी निगरानी रखी है और इस अवधि में 108 घुसपैठियों को पकड़ा है।

असम के करीमगंज, कछार, धुबरी और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। दूसरी तरफ, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में भी घुसपैठ के मामले अक्सर ही सामने आते रहते हैं। सुरक्षाबलों की चौकसी और सतर्कता से लगातार गिरफ्तारियां भी होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569